www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 161 || लखनऊ
शनिवार
12 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:50
सूर्यास्तः 06:15
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि से ... >>पेज 04 | परचून की दुकान के कुंडे तोड़कर ... >>पेज 06 | बिपाशा बसु की प्रोटीन ड्रिंक में दिखे कीड़े ...

नरेंद्र मोदी ने कहा- वैश्विक व्यापार बढ़ाने के लिए सुरक्षित समुद्री रास्ते जरूरी

'ब्रिक्स की बढ़ती ताकत, जी 7 पर पुतिन का सीधा निशाना'

मोदी बोले- दुनिया की आधी आबादी ब्रिक्स में

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि BRICS देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये देश दुनिया की 40% GDP और 25% से ज्यादा ग्लोबल ट्रेड में हिस्सा रखते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में दुनिया की GDP करीब ढाई गुना बढ़ी, जबकि BRICS देशों की GDP साढ़े चार गुना बढ़ी। यानी BRICS की अर्थव्यवस्था बाकी दुनिया से करीब दोगुनी तेजी से बढ़ी है। मोदी ने कहा कि BRICS देश अब इनोवेशन और नई टेक्नोलॉजी के बड़े केंद्र बन रहे हैं। भारत में हो रहा यह BRICS बिजनेस फोरम अब तक का सबसे बड़ा फोरम है।

पुतिन बोले- दुनिया में बड़ा बदलाव हो रहा

BRICS बिजनेस फोरम के लीडर्स सेशन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि दुनिया में इस समय बड़े और गहरे बदलाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 20वीं सदी के दूसरे हिस्से में दुनिया की आर्थिक तरक्की को आगे बढ़ाने वाले पुराने आर्थिक केंद्रों की जगह अब नए देश और नई अर्थव्यवस्थाएं विकास को आगे बढ़ा रही हैं।

पुतिन ने कहा कि पुराने आर्थिक केंद्रों के पास आज भी मजबूत बुनियादी ढांचा, बेहतर टेक्नोलॉजी, वैज्ञानिक क्षमता और मजबूत रिसर्च संस्थान हैं। लेकिन दुनिया और अर्थव्यवस्था हमेशा बदलती रहती है। इसलिए नए देशों का आर्थिक ताकत के तौर पर आगे आना स्वाभाविक है।

मोदी ने कहा कि 2006 में जब BRICS की शुरुआत हुई थी, तब इसमें सिर्फ 4 देश थे। आज सदस्य और पार्टनर देशों को मिलाकर BRICS परिवार 21 देशों तक पहुंच गया है।

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत ब्रिक्स लीडर्स ने शुक्रवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम में ग्लोबल ट्रेड पर बात की। इसमें सबसे अहम बयान पुतिन का रहा। उन्होंने अमेरिका और यूरोप पर तंज कसते हुए कहा, पश्चिम अब कमजोर हो रहा है, पता नहीं ये देश खुद को G7 क्यों कहते हैं। दुनिया की 40% से ज्यादा GDP BRICS देशों से आई, G7 की हिस्सेदारी सिर्फ 29% रही। इसके बाद PM मोदी ने भी बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये दुनिया की 40% GDP में हिस्सा रखते हैं। भारत व्यापार बढ़ाना चाहता है और इसके लिए सुरक्षित समुद्री रास्ते जरूरी हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

पजशकियान ने कहा कि ऐसे में सवाल है कि ब्रिक्स इन चुनौतियों का सामना कैसे करेगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की असली ताकत सिर्फ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में नहीं है। ताकत तब दिखेगी, जब सदस्य देश आपस में व्यापार और निवेश बढ़ाएं और मिलकर आर्थिक परियोजनाओं में पैसा लगाएं।

पजशकियान बोले- अपनी करेंसी में कारोबार बढ़ाएं

BRICS बिजनेस फोरम में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि BRICS देशों को आपसी कारोबार में अपनी-अपनी करेंसी का इस्तेमाल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था कुछ गिनी-चुनी करेंसी पर ज्यादा निर्भर है, इसलिए यह राजनीतिक संकट से प्रभावित हो सकती है। BRICS बिजनेस फोरम के लीडर्स सेशन में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि दुनिया इस समय बहुत मुश्किल दौर से गुजर रही है।

अमेरिका-यूरोप पर पुतिन का तंज, ब्रिक्स उनसे बहुत आगे निकला

BRICS बिजनेस फोरम में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि समझ नहीं आता कि कुछ कमजोर हो चुके पश्चिमी देश अब भी खुद को G7 क्यों कहते हैं। पुतिन ने कहा कि BRICS आर्थिक ताकत के मामले में G7 से काफी आगे निकल चुका है। उनके मुताबिक, दुनिया की अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव हो रहे हैं और अब नए देश विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि BRICS की अर्थव्यवस्था का आकार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, पश्चिमी देशों का दबदबा पहले जैसा नहीं रहा। पुतिन ने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था हमेशा बदलती रहती है और अब आर्थिक विकास के नए केंद्र सामने आ रहे हैं।

यूपी में 11 आईएएस-पीसीएस के ट्रांसफर

आईटी डिपार्टमेंट के विशेष सचिव समीर को जिला मिला

बहराइच-जालौन के डीएम बदले

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। यूपी सरकार ने गुरुवार रात करीब 10:30 बजे 5 IAS और 6 PCS अफसरों के तबादले कर दिए। बहराइच और जालौन में नए जिलाधिकारी बनाए गए हैं। IAS राजेश कुमार पांडेय को अब बहराइच का डीएम बनाया गया है। वे अभी तक जालौन के डीएम थे। राजेश पांडेय ने बहराइच में 2014 बैच के IAS अक्षय त्रिपाठी की जगह ली है। अक्षय को केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुए ओराम का निजी सचिव बनाया गया है।

हैदराबाद में सेना के चोरी हुए हथियार हुए जब्त

कैंटोनमेंट का एक कर्मचारी अरेस्ट, 2 रूम के ताले तोड़ चुराए थे हाईटेक वेपंस

तमसा संकेत, एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने शुक्रवार को सिकंदराबाद कैंटोनमेंट से चोरी हुए सेना के सभी हथियार जब्त कर लिए हैं। पुलिस के मुताबिक, कैंटोनमेंट में काम करने वाले एक शख्स की मदद यह चोरी की गई थी। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि, जांच में सामने आई अन्य जानकारियां अभी शेयर नहीं की गई हैं। चोरी का मामला 31 अगस्त को तब सामने आया था, जब मद्रास रेजिमेंट के एक लेफ्टिनेंट कर्नल ने हैदराबाद के बोलाराम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, लगभग 40 मीटर की दूरी पर स्थित दो शस्त्रागार रूम के ताले तोड़कर बड़ी संख्या में हाईटेक वेपंस चोरी कर लिए गए थे। जांच के दौरान 20 मद्रास रेजिमेंट की एक यूनिट के सीनियर ऑफिसर से भी पूछताछ की गई थी। इसकी एक वजह यह थी कि आर्मरी के रजिस्टर कई महीनों से मेंटेन नहीं किए जा रहे थे। वहीं, सिक्युरिटी गार्ड ने किसी तरह की जबरन घुसपैठ से इनकार किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार

कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुरक्षा बलों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उसे हिरानगर सेक्टर के बोबिया इलाके में सीमा पर लगी फेंसिंग के पास पकड़ा गया। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र करीब 65 साल है।

एमपी जहरीली शराबकांड- मुख्य आरोपी को पैर में गोली मारकर पकड़ा

सागर। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब मामले में शुक्रवार को मुख्य आरोपी रवि लखेरा को पकड़ लिया गया। बरायठा के जंगल में पुलिस और रवि के बीच फायरिंग हुई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। आरोपी रवि को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। इस पर 20 हजार का इनाम था। एसपी अनुराग सुजानिया ने पुष्टि की है। CM मोहन यादव ने संवाददाता से कहा- शराब कांड के एक आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर हुआ है। किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। लगातार कार्रवाई हो रही है। जहरीली शराब पीने से अब तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है।

पांढुर्णा के युवक ने कुल्हाड़ी से झंडा काटा

पांढुर्णा। ध्यप्रदेश के पांढुर्णा में शुक्रवार को गोटमार मेले में झंडे पर कब्जे के लिए पांढुर्णा और सावरगांव पक्ष के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई। मेले में कुल 1321 लोग घायल हुए। इनमें 8 की हालत गंभीर होने पर नागपुर रेफर किया गया। शाम को पांढुर्णा पक्ष के युवक ने कुल्हाड़ी से जाम नदी के बीच लगा पलाश का झंडा काट दिया।

अलायंस एयर फ्लाइट की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

प्रयागराज से आ रहा था विमान, इंजन में आई खराबी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अलायंस एयर के एक विमान का इंजन खराब होने के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग की गई। विमान में 40 पैसेंजर और 4 क्रू मेंबर सवार थे। प्लेन प्रयागराज से दिल्ली आ रहा था। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि विमान ने आपातकालीन लैंडिंग इसलिए की, क्योंकि उसका एक इंजन काम नहीं कर रहा था। विमान दोपहर करीब 2.15 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरा। एलायंस एयर के प्रवक्ता ने बताया कि बिलासपुर-प्रयागराज-दिल्ली रूट पर चलने वाला यह ट्विन-इंजन टर्बोप्रॉप विमान ATR 72-600 था। दिल्ली पहुंचने के दौरान बाएं इंजन में ऑयल प्रेशर कम होने के कारण पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी। हालांकि, फ्लाइट क्रू ने कोई आपात स्थिति घोषित नहीं की थी। इसके बाद विमान ने दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की।

- विमान दोपहर करीब 2.15 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरा।
- बिलासपुर-प्रयागराज-दिल्ली रूट पर उड़ान भरता है प्लेन।

खनऊ से सऊदी अरब के दम्माम जा रही इंडिगो की फ्लाइट में गुरुवार को बम की धमकी मिली। इसके बाद अहमदाबाद एयरपोर्ट पर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। उड़ान के दौरान क्रू मेंबर को विमान के टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर मिला, जिस पर अंग्रेजी में 'बम' लिखा था।

आगामी पर्वों के लिए 681 महत्वपूर्ण मार्ग चिन्हित, प्राथमिकता के आधार पर होंगे गड्ढामुक्त

बारिश से खराब सड़कों को तत्काल मोटरेबल बनाएं, बरसात के बाद नवीनीकरण भी हो: योगी

- 09 विभागों के करीब 4.36 लाख किमी मार्गों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा, 50 हजार किमी के गड्ढामुक्ति लक्ष्य पर चल रहा काम

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश और बाढ़ से खराब हुई सड़कों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें आवागमन के योग्य बनाने और बरसात के बाद जरूरत के अनुसार उनका नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि बारिश अभी जारी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

4.36 लाख किमी सड़कों की समीक्षा

बैठक में बताया गया कि नौ विभागों के अधीन करीब 4.36 लाख किलोमीटर मार्ग हैं। मौजूदा गड्ढामुक्ति अभियान के तहत करीब 50 हजार किलोमीटर सड़कों को बेहतर करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक करीब 5,751 किलोमीटर मार्गों पर काम पूरा हो चुका है। क्षतिग्रस्त सड़कों के सर्वे के बाद विभागवार लक्ष्य अंतिम रूप से तय किए जाएंगे। अतिवृष्टि के अलावा एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे की निर्माणाधीन परियोजनाओं के कारण भारी वाहनों की आवाजाही से भी कई सड़कों के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी दी गई।

बैठक में बताया गया कि अतिवृष्टि के साथ ही एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय मार्ग, रेलवे आदि की निर्माणाधीन परियोजनाओं के कारण भारी वाहनों की आवाजाही से भी कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इन मार्गों का विभागवार सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे के आधार पर क्षतिग्रस्त सड़कों को चिन्हित कर गड्ढामुक्ति के विभागवार लक्ष्य तय किए जाएंगे। आगामी पर्वों को देखते हुए प्रदेश में 681 महत्वपूर्ण मार्ग चिन्हित किए गए हैं।

कार्यक्रम : इंदौर में 'छात्रों की गूंज' से 8 दिन पहले सुझाव मांगे, अब तक 4 बार छात्रों से बात कर चुके

शिक्षा व्यवस्था से भारतीय युवा निराश : राहुल

- राहुल ने प्रयागराज में छात्रों से बात की। उस दिन वे गुलाबी शर्ट पहनकर आए थे। आमतौर पर ब्लैक या व्हाइट टीशर्ट में ही दिखते थे।
- राहुल गांधी ने देहरादून के बन्नू स्कूल ग्राउंड में कार्यक्रम किया था।

तमसा संकेत, एजेंसी

नांदेड़। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था पीढ़ी को निराश कर रही है, जिसे बेहतर भविष्य देने के लिए बनाया गया था। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से पूछा कि उनका शिक्षा व्यवस्था से भरोसा क्यों उठ गया है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की शुरुआत उन लोगों की बात सुनने से होगी, जो रोजाना इसकी कमियों का सामना कर रहे हैं। राहुल ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से अपने अनुभव, सबूत और सुझाव ऑनलाइन साझा करने को कहा।

>> (शेष पेज 06 पर)

8 अगस्त: राहुल बोले- रील 21वीं सदी का नशा है

राहुल ने प्रयागराज में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में 47 मिनट बात की थी। उन्होंने कहा, 'सिस्टम ने युवाओं को चक्रव्यूह में फंसा दिया है। इनसे कहा जाता है कि आपको जितनी रील बनाना है, बनाओ। मजदूरी करो। 21वीं सदी का नशा लो, लेकिन नौकरी नहीं मिल सकती है।' उन्होंने कहा, 'परिवारों से लाखों करोड़ रुपए लिए जाते हैं और बदले में BA-MA की डिग्री मिलती है, लेकिन यह सर्टिफिकेट रोजगार की गारंटी नहीं देता। आज हजार में से सिर्फ 12 युवाओं को परमानेंट नौकरी मिल रही है।'

17 जुलाई: देहरादून राहुल बोले- 1% लोग पेपर लीक के रास्ते पर चलते हैं

देहरादून के बन्नू स्कूल ग्राउंड में आयोजित कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की थी। इसमें उन्होंने पेपर लीक, भर्ती व्यवस्था और युवाओं के भविष्य को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ एक फीसदी लोग पेपर लीक का रास्ता अपनाते हैं।

22 अगस्त: राहुल बोले- महिलाओं के खिलाफ 3 तरह से हिंसा

राहुल गांधी ने पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में महिलाओं की आजादी और पितृसत्ता के मुद्दे पर एक घंटा 16 मिनट बात की थी।

राहुल ने कहा था कि महिलाओं के खिलाफ 3 तरह से हिंसा होती है।

पहली- पैदा होते ही हत्या, दूसरी- शारीरिक अत्याचार, तीसरी- आर्थिक बंदिशें।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, नौकरी, संपत्ति और अपने फैसले लेने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए।

बैंक में कर्मचारियों पर मिर्च डालकर ₹4.53 लाख लूटे

पुलिस-कर्मचारियों ने 1 किमी पीछा कर पकड़ा, नागपुर की घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में बैंक में लूट का मामला सामने आया है। यहां एक 28 साल के युवक ने कर्मचारियों की आंखों में लाल मिर्च पाउडर डालकर उनसे 4.53 लाख रुपए लेकर भाग गया। इसके बाद आरोपी मौके से भागने लगा, लेकिन बैंक कर्मचारियों ने उसका पीछा किया। पुलिस की मदद से उसे करीब एक किमी दूर पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटी गई पूरी 4.53 लाख रुपए की रकम बरामद कर ली है। घटना नागपुर के भांडे प्लॉट इलाके में गुरुवार शाम करीब 5:30 बजे हुई। बैंक कर्मचारी ATM से कैश लेकर SBI ब्रांच लौट रहे थे। पूरी घटना बैंक के CCTV में रिकॉर्ड हो गई है।

- आरोपी बैंक में घुसते ही कर्मचारियों पर मिर्च पाउडर फेंकने लगा।
- आरोपी ने कैबिन में छिप रहे कर्मचारियों पर भी मिर्च पाउडर फेंका।

इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। कैश लेकर भाग रहे आरोपी को देखकर बैंक कर्मचारियों ने शोर मचाया और उसका पीछा किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

सूची में एमपी रविकिशन समेत 17 बड़े नाम, 4 बार के विधायक को जगह नहीं

महानगर कार्यसमिति के सदस्य बने सीएम योगी

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। भाजपा गोरखपुर महानगर की कार्यसमिति का विस्तार किया गया है। महानगर अध्यक्ष की ओर से जारी सूची में 17 विशेष आमंत्रित सदस्यों को शामिल किया गया है। सूची में पहला नाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का है। सांसद रविकिशन शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव समेत कई प्रमुख नेताओं को भी जगह दी गई है।

एक भाजपा नेता ने बताया कि कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शहर के महत्वपूर्ण लोगों को शामिल किया जाता है। इसी क्रम में यह सूची जारी की गई है। मुख्यमंत्री गोरखपुर महानगर के ही निवासी हैं और गोरखपुर शहर से विधायक भी हैं। पार्टी के तीनों प्रदेश उपाध्यक्ष भी इसमें शामिल किए गए हैं। क्षेत्रीय टीम के दो महामंत्री भी शहर के रहने वाले हैं लेकिन उन्हें विशेष आमंत्रित सदस्य नहीं बनाया गया है। राज्यसभा सदस्य डा. राधामोहन दास अग्रवाल को उनके घर के पास से शुरू होने वाले सिक्सलेन फ्लाईओवर के लोकार्पण समारोह में भी नहीं आमंत्रित किया गया था। पार्टी न ही प्रशासन ने उन्हें कोई निमंत्रण भेजा था। इसपर उन्होंने अपना दुख भी व्यक्त किया था। उस समय डा. अग्रवाल भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव भी थे।

भाजपा महानगर की ओर से कार्यसमिति में 17 विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल किए गए हैं।

गोरखपुर शहर से चार बार विधायक रहे और वर्तमान में राज्यसभा सदस्य डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल का नाम सूची में नहीं है। वह भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं। सूची में उनका नाम नहीं होने से पार्टी के भीतर इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची में ये 17 नाम शामिल

विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा सांसद रविकिशन शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन सिंह और प्रदेश उपाध्यक्ष कामेश्वर सिंह शामिल हैं।

इसके अलावा रमेश सिंह, पूर्व महापौर डॉ. सत्या पांडेय, अंजू चौधरी, सीताराम जायसवाल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, पूर्व एमएलसी एवं पूर्व राष्ट्रीय सचिव विनोद पांडेय, पूर्व उपसभापति एवं पार्षद मनु जायसवाल, पवन त्रिपाठी, ऋषि मोहन, व्यापारी नेता विशाल गुप्ता और वरिष्ठ भाजपा नेता देश बंधु शुक्ला को भी विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में गणेश महोत्सव का आगाज

लखनऊ । मोहन रोड स्थित ऐतिहासिक बुद्धेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में शुक्रवार को पंच दिवसीय 11वें भव्य श्री गणेश महोत्सव के उपलक्ष्य में पावन ध्वजा पूजन का कार्यक्रम विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। 'श्री बुद्धेश्वर महादेव श्रृंगार समूह' के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में वैदिक आचार्यों ने गणपति महोत्सव के निर्विघ्न और सफल आयोजन के लिए स्वस्तिवाचन पाठ के साथ धर्म ध्वज का पूजन कर उसे मंदिर प्रांगण में स्थापित किया। इस दौरान पूरा परिसर 'गणपति बप्पा मोरया' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा। 11वें वर्ष में प्रवेश कर रहा पंच दिवसीय महोत्सव आयोजक मंडल के प्रमुख आदेश शुक्ला ने बताया कि विगत 10 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार 11वें वर्ष में भी पंच दिवसीय श्री गणेश महोत्सव का आयोजन बेहद भव्य और व्यापक स्तर पर किया जा रहा है।

पति से विवाद के बाद नहर में कूदी महिला लखनऊ पुलिस ने साड़ी के सहारे बचाया

- साड़ी के सहारे महिला को बाहर निकाला
- पति की तलाश में जुटी पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के कृष्णानगर में पति से विवाद के बाद एक महिला ने नहर में छलांग लगा दी। महिला को डूबता देखकर मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी तुरंत नहर की ओर दौड़े। पुलिस ने राहगीरों की मदद से साड़ी के सहारे महिला को नहर से बाहर निकाल लिया। इसके बाद उसे इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा गया। महिला की हालत खतरे से बाहर है।

घटना 10 सितंबर की रात करीब 10 बजे की है। पुलिस के मुताबिक, कासिमपुर पकरी आजाद नगर निवासी गुड़िया का पति सतीश लोधी से विवाद हुआ था। इसके बाद उसने नहर में छलांग लगा दी।

उस समय उपनिरीक्षक गौरव कुमार सिंह और कांस्टेबल महताब पकरी पुलिया पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। महिला को नहर में डूबता देखकर दोनों मौके पर पहुंचे और राहगीरों की मदद से उसे बाहर निकाला। नहर के पास शोरगुल सुनकर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। महिला को नहर में डूबता देखकर उन्होंने आसपास मौजूद लोगों की मदद ली। एक महिला की साड़ी की मदद से नहर में फंसी गुड़िया को बाहर निकाला गया। पुलिस ने महिला को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद लोकबंधु अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार गुड़िया की हालत अब खतरे से बाहर है। घटना के बाद मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस महिला के पति सतीश लोधी की तलाश कर रही है।

फास्ट न्यूज

नवजात की मौत पर सरकार को जांच का आदेश

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक नवजात की मौत के मामले में सुनवाई हुई। यह मामला सुल्तानपुर के राजकीय स्वायत्त मेडिकल कॉलेज से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान चिकित्सा स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव, केजीएमयू के कुलपति, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक और एसजीपीजीआई के निदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में मौजूद रहे।

लखनऊ में दो युवकों को नंगा करके पीटा

लखनऊ । लखनऊ के सआदतगंज क्षेत्र के अंबरगंज में चोरी के शक में दो युवकों को नंगा करके डंडे से पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दोनों युवक मंगलवार रात करीब 3 बजे एक निर्माणाधीन घर में चोरी करने घुसे थे। आहट होने पर वहां सो रहे मजदूरों और मिस्त्री ने दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें बालागंज पुलिस चौकी ले जाया गया। वहां कार्रवाई नहीं हुई तो दोनों युवकों को वापस निर्माणाधीन इमारत में लाया गया। इसके बाद दोनों की डंडे से पिटाई की गई।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई।

नेहा खरे बनीं कायस्थ महासभा की प्रदेश महासचिव

लखनऊ । लखनऊ की प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और 'प्रगति विचारधारा फाउंडेशन' की अध्यक्ष नेहा खरे को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा में एक महत्वपूर्ण सांगठनिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव ने उनके सामाजिक योगदान और सक्रियता को देखते हुए उन्हें प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है।

क्राइम ब्रांच अधिकारी बन छात्र छात्रा को लूटा, दो गिरफ्तार

मोबाइल छीनकर 14 हजार ट्रांसफर कराए थे, लूट में इस्तेमाल बाइक बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । आगरा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर नहर किनारे बैठे छात्र-छात्रा को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर डराने-धमकाने और मोबाइल लूटने वाले दो आरोपियों को काकोरी पुलिस ने सर्विलांस टीम की मदद से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने मोबाइल का लॉक खुलवाकर यूपीआई पासकोड हासिल करने के बाद स्कैनर के जरिए 14 हजार रुपए भी ट्रांसफर करा लिए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए दोनों मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद की है।

इंस्पेक्टर काकोरी सतीश चंद्र राठौर के मुताबिक गोमतीनगर के निजामपुर मल्लौर निवासी मुदित यादव और उसकी महिला मित्र विश्वविद्यालय में छात्र हैं। दोनों 25 जुलाई की शाम करीब सात बजे बाइक से घूमते हुए कठिंगरा गांव के पास आगरा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर नहर किनारे रुके थे। आरोप है कि इसी दौरान बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे और खुद को क्राइम ब्रांच का कर्मचारी बताया। आरोपियों ने छात्र-छात्रा पर आपत्तिजनक गतिविधि में शामिल होने का आरोप लगाकर उन्हें डराना-धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद दोनों के मोबाइल फोन छीन लिए। विरोध करने पर मुदित के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने दोनों मोबाइल का लॉक खुलवाया और यूपीआई का पासकोड हासिल कर लिया। इसके बाद अपने स्कैनर पर 14 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित के मुताबिक स्कैनर पर जीशान नाम प्रदर्शित हो रहा था। इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने बारकोड और सर्विलांस की मदद से किसान पथ स्थित बबूरिया खेड़ा अंडरपास के पास से हरदोई के संडीला निवासी जीशान (23) और उन्नाव के आसीवन निवासी सहवान उर्फ शाबान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी किराये पर रिक्शा चलाते हैं।

पुलिस घसीट ले गई, विनोद सहनी की हत्या पर गुस्साए, पीडीए को दबाने का आरोप

सपाइयों का फैंटा की बोतल के साथ प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। गोंडा के विनोद सहनी की हत्या के विरोध में सपा कार्यकर्ता हजरतगंज चौराहे पर इकट्ठा हो गए। कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। पुलिस प्रदर्शनकारियों को घसीटकर ले गई और बस में बैठाकर इको गोर्डन भेज दिया। प्रदर्शनकारी हाथों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर और फैंटा की बोतल लेकर पहुंचे थे। विनोद सहनी की हत्या के यूपी में लचर कानून व्यवस्था से जोड़ा। सपा कार्यकर्ताओं का आरोप था कि सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विनोद सहनी की हत्या की गई। उन्होंने कहा कि दिनदहाड़े निषाद समाज के युवक की हत्या हो जाती है, लेकिन सरकार और पुलिस की ओर से उचित कार्रवाई नहीं की जा रही है। सत्ता में बैठे हुए संजय निषाद सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करते हैं मगर अपने समाज को न्याय नहीं दिलवा पा रहे हैं। प्रदर्शनकारी विधानसभा कि पर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। लगभग 40 मिनट तक पुलिस को प्रदर्शनकारियों के साथ संघर्ष करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों के हाथ से फैंटा की बोतल भी पुलिस ने छीन ली। प्रदर्शन के चलते कुछ देर के लिए ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हुई चौराहे पर जाम लगा। प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया गया।

'पीडीए समाज को दबाने की कोशिश'

प्रदर्शन कर रहे राज साहनी ने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। लॉ एंड ऑर्डर जीरो है। प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। भाजपा सरकार PDA को रौंदना चाहती है। समाज के युवाओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन सरकार खामोश है। समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर सदन तक PDA की लड़ाई लड़ रही है।

यूपी में 11 आईएएस-पीसीएस के ट्रांसफर

बहराइच-जालौन के डीएम बदले आईटी डिपार्टमेंट के विशेष सचिव समीर को जिला मिला, पंकज वर्मा बाराबंकी सीडीओ बने

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार ने गुरुवार रात करीब 10:30 बजे 5 IAS और 6 PCS अफसरों के तबादले कर दिए। बहराइच और जालौन में नए जिलाधिकारी बनाए गए हैं। IAS राजेश कुमार पांडेय को अब बहराइच का डीएम बनाया गया है। वे अभी तक जालौन के डीएम थे। राजेश पांडेय ने बहराइच में 2014 बैच के IAS अक्षय त्रिपाठी की जगह ली है। अक्षय को केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुए ओराम का निजी सचिव बनाया गया है। इस नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 8 अगस्त को मंजूरी दी थी। तब से कयास लगाए जा रहे थे कि बहराइच में नए डीएम की तैनाती होगी।

बाराबंकी के CDO रहे बी सूदन का झांसी ट्रांसफर

झांसी नगर निगम की आयुक्त आकांक्षा राणा का ट्रांसफर आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक विभाग में विशेष सचिव के पद पर किया है। बाराबंकी के मुख्य विकास अधिकारी बी सूदन का ट्रांसफर झांसी नगर निगम के आयुक्त पद पर किया गया है।

मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव पंकज वर्मा का ट्रांसफर बाराबंकी में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर किया है

लखनऊ विकास प्राधिकरण के सचिव बने सुशील सिंह

यूपी सरकार ने प्रांतीय प्रशासनिक सेवा (PCS) के 6 अधिकारियों के तबादले किए हैं। भारतखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के कुल सचिव और संस्कृति निदेशालय के अपर निदेशक सुशील प्रताप सिंह को लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) का सचिव बनाया गया है। वहीं, LDA के संयुक्त सचिव अतुल कुमार को भारतखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का नया कुल सचिव और संस्कृति निदेशालय का अपर निदेशक बनाया गया है।

अन्य प्रमुख बदलाव

बदायूं के उपजिलाधिकारी राजेश कुमार सिंह को कानपुर नगर का नया अपर जिलाधिकारी (नागरिक आपूर्ति) नियुक्त किया गया है।

गोंडा के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार सिंह को उपनिदेशक (प्रशासन), युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के पद पर तैनात किया गया है।

झांसी के नगर मजिस्ट्रेट प्रमोद झा को गोंडा का नया अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बनाया गया है।

कुशीनगर के उपजिलाधिकारी योगेश्वर सिंह को स्थानांतरित कर झांसी का नया नगर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

वहीं, आईएएस समीर को जालौन का जिलाधिकारी बनाया गया है। वे 4 मई, 2026 से आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के विशेष सचिव और यूपीडेस्को के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल रहे थे।

कार सीख रही महिला ने मारी टक्कर, मौत

आईआईएम रोड पर इवनिंग वॉक पर निकली थी महिला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव स्थित एल्डिको सिटी में 10 सितंबर की शाम हादसा हुआ। कार सीख रही महिला ने इवनिंग वॉक कर रही कुसुम चौहान को टक्कर मार दी। कुसुम गंभीर घायल हो गईं। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद कार चला रही महिला फरार हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

एल्डिको सिटी की रहने वाली कुसुम चौहान रोज की तरह 10 सितंबर की शाम करीब 5:30 बजे इवनिंग वॉक के लिए निकली थीं। इसी दौरान कार चलाना सीख रही मनीषा ने अपना नियंत्रण खो दिया और कुसुम को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने कुसुम को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कुसुम के शरीर की छह हड्डियां टूटने की पुष्टि हुई है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उन्हें कई गंभीर चोटें आई थीं।

कुसुम के पति दिनेश चौहान भारतीय वायुसेना में सार्जेंट पद से रिटायर्ड हैं। वर्तमान में वह बीकेटी इंटर कॉलेज में शिक्षक हैं। परिवार में बेटा दीपेश चौहान और बेटी दीप्ति चौहान हैं। कुसुम की मौत से परिवार में मातम है।

मांग : 5 डे वर्किंग समेत मांगों को लेकर प्रदर्शन, 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

समेत देशभर में बैंक कर्मचारी हड़ताल पर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ समेत देशभर में बैंक कर्मचारी हड़ताल पर हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) के आह्वान पर SBI, PNB, इंडियन बैंक समेत प्रमुख बैंकों के कर्मचारी और अधिकारी कामकाज से दूर हैं। लखनऊ में हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक के बाहर कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मुख्य मांग हफ्ते में 5 दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करना है।

यूनियन का दावा है कि करीब 99% कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल हैं। इससे बैंक शाखाओं में नियमित कामकाज प्रभावित है। हालांकि डिजिटल बैंकिंग, UPI और ATM जैसी सेवाएं जारी हैं। बैंक यूनियनों ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की हड़ताल होगी। इसके बाद 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है। यूनियन का कहना है कि आज की हड़ताल में बैंक कर्मचारी, अधिकारी और विभिन्न राज्य संगठनों के सदस्य शामिल हैं। यूनियन ने दावा किया कि करीब 99% कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल हैं। इससे देशभर में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

5 डे वर्किंग पर 2 साल पहले बनी थी सहमति

UFBU के प्रदेश अध्यक्ष एसके संतानी ने कहा कि 5 डे वर्किंग को लेकर सरकार और बैंक कर्मचारियों के बीच करीब दो साल पहले सहमति बनी थी। इसके बावजूद इसे अब तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि RBI और LIC समेत कई सरकारी संस्थानों में पांच दिन काम की व्यवस्था लागू है। बैंक कर्मचारियों को अभी भी छह दिन काम करना पड़ रहा है। यूनियन की मांग है कि पहले से तय 5 डे वर्किंग को जल्द लागू किया जाए।

पीएलआई में भेदभाव का आरोप

बैंक यूनियन की दूसरी प्रमुख मांग प्रोडक्टिविटी लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) को लेकर है। एसके संतानी ने आरोप लगाया कि PLI में मनमानी और भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक कर्मचारी इसे स्वीकार नहीं करेंगे। यूनियन की मांग है कि UFBU के साथ बातचीत कर सभी बैंक कर्मचारियों के लिए एक समान कॉमन PLI तय किया जाए।यूनियन ने द्विपक्षीय समझौते से जुड़े लंबित रीजनल मुद्दों को भी जल्द सुलझाने की मांग की है। एसके संतानी ने कहा कि इन मुद्दों पर लगातार बातचीत हो रही है, लेकिन अब तक समाधान नहीं निकला है। एसके संतानी ने कहा कि अगर तीनों मांगों पर जल्द फैसला नहीं हुआ तो सितंबर में तीन दिन की हड़ताल की जाएगी।

एलयू हॉस्टल मारपीट मामले में पांच छात्र निलंबित

मेस में खाने को लेकर हुआ था बवाल, हॉस्टल आवंटन रद्द, कैंपस एंट्री बैन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सुभाष छात्रावास में 31 अगस्त को हुए विवाद के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने पांच छात्रों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन के दौरान छात्रों के हॉस्टल कमरों का आवंटन भी रद्द रहेगा और विश्वविद्यालय के दोनों कैंपस में एंट्री बैन रहेगी। मामला मेस में खाने को लेकर मारपीट से जुड़ा है। विवाद के बाद हसनगंज थाने में पांच छात्रों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। विश्वविद्यालय की जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। निलंबित छात्रों में एमए हिंदी सेकेंड ईयर के ऋषु जायसवाल, सत्यम प्रताप सिंह, अंसित सिंह, सुनील कुमार सिंह और विवेक पांडेय शामिल हैं। निलंबन अवधि में इन्हें छात्रावास की सभी सुविधाओं से भी वंचित रखा जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबंधित छात्रों को आदेश मिलने के तीन कार्य दिवस के भीतर कुलानुशासक कार्यालय में लिखित स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। जवाब नहीं देने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मामले में एमए हिंदी द्वितीय वर्ष के छात्र शिवाजी यादव का पहले जारी निलंबन आदेश भी प्रभावी रहेगा। विश्वविद्यालय ने उसे इस घटना में भी निलंबित माना है।

भारत पहुंचकर पत्नी स्नेहा ने जारी किया वीडियो, बोली- सीएम योगी से मिलूंगी

मॉस्को में हिरासत में लिए गए इंजीनियर परिवार संग लौटे

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। मॉस्को में हिरासत में लिए गए भारतीय इंजीनियर चंदन गुप्ता अपनी पत्नी स्नेहा और बच्चे के साथ गुरुवार रात कानपुर अपने घर लौट आए। भारत आने के बाद स्नेहा ने एक वीडियो जारी कर पूरे मामले पर सवाल उठाए हैं। स्नेहा ने सोशल मीडिया पर उनके पति के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि अगर उनके पति ने शराब पी और गाड़ी का शीशा तोड़ा था तो इसका वीडियो या फोटो सामने लाया जाए। उन्होंने कहा- अगर किसी के पास मेरे पति के खिलाफ कोई प्रूफ है, कोई वीडियो या फोटो है, जिसमें

वह तोड़फोड़ करते या ड्रिंक करते दिख रहे हैं, तो मुझे भेजिए। मेरे पास ऐसा कोई प्रूफ नहीं है। आप मुझे सबूत देंगे तो मैं उसे भारत में संबंधित अधिकारियों और दूतावास को दूंगी। मैं CM योगी से भी मिलूंगी और सच्चाई बताऊंगी। भारत से इंजीनियर चंदन गुप्ता वर्क वीजा पर रूस गए थे। उनकी पत्नी स्नेहा ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया था।

'मॉस्को में हर 10 कदम पर कैमरे लगे हैं'

स्नेहा ने कहा- मॉस्को जैसे शहर में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। ऐसे में अगर उनके पति ने कोई गलत काम किया है तो उसकी रिकॉर्डिंग सामने आनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर कमेंट करने वाले लोगों के साथ भारतीय दूतावास से भी सवाल किया। स्नेहा ने कहा कि दूतावास ने उनके और उनके पति से बात किए बिना यह बयान कैसे जारी किया कि उनके पति ने शराब पी और शीशा तोड़ा। उन्होंने कहा- आपके पास सबूत है तो वीडियो जारी करिए। बताइए कि शीशा किसने और कहां तोड़ा।

'पति डीजीएम थे, कोई चपरासी नहीं'

स्नेहा ने अपने पति की नौकरी का जिक्र करते हुए कहा कि वह कंपनी में DGM के पद पर थे। कोई चपरासी नहीं थे। कहा- कोई व्यक्ति अपने ही देश में ऐसा काम नहीं करता तो विदेश जाकर ऐसा क्यों करेगा। स्नेहा ने कहा कि वह पूरे मामले में भारतीय दूतावास से जवाब मांगेंगी। उनका आरोप है कि दूतावास के बयान से उनके पति और विदेश में रहने वाले भारतीयों की छवि प्रभावित हुई है।

मॉस्को पुलिस ने एक-दो घंटे तक नहीं 48 घंटे तक रखा

स्नेहा ने कहा- मॉस्को पुलिस ने उनके पति को 1-2 घंटे नहीं, बल्कि करीब 48 घंटे तक हिरासत में रखा। उन्होंने कहा- मॉस्को पुलिस ने उनके पति के दस्तावेजों की सही तरह से जांच नहीं की। मेरे पति वर्क वीजा पर रूस में थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें टूरिस्ट वीजा पर समझकर पकड़ लिया। मेरे पति को रसियन लैंग्वेज पढ़नी और बोलने नहीं आती है। इसके बाद भी कुछ पेपर पर साइन करा लिए गए। स्नेहा ने कहा- मामला कोर्ट तक पहुंचा तो पुलिस मेरे पति पर लगाए गए आरोपों को साबित नहीं कर सकी, क्योंकि उनके पास पर्याप्त सबूत नहीं थे।

66 स्नेहा ने कहा- मेरे पति से कुछ दस्तावेजों पर दबाव डालकर हस्ताक्षर कराए गए। इस संबंध में मेरे पास लिखित सबूत मौजूद हैं और भारत लौटने के बाद वह इसे मुख्यमंत्री या संबंधित अधिकारियों के सामने रखेंगी। स्नेहा का कहना है कि उनके पति को धमकी दी गई कि अगर उन्होंने प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर नहीं किए तो उनके खिलाफ चार और मामले दर्ज किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि उस समय उनके पति को वहां से निकलना था, इसलिए दबाव में हस्ताक्षर किए गए।

सपा नेता राजपाल कश्यप को गोंडा जाने से रोका

गोलीकांड के पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे

तमसा संकेत, एजेसी

बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप को बाराबंकी के रामनगर में पुलिस ने रोक दिया। वे गोंडा में गोलीकांड के मृतक विनोद साहनी के परिवार से मिलने जा रहे थे। शुक्रवार दोपहर 12 बजे पुलिस की इस कार्रवाई के बाद सपा कार्यकर्ताओं ने मौके पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

डॉ. राजपाल कश्यप गोंडा के परसपुर क्षेत्र के शाहपुर धनवा में हुई गोलीबारी की घटना के मृतक विनोद साहनी के परिवार से मिलने जा रहे थे। उनका मकसद पीड़ित परिवार से मिलकर दुख बांटना था। रामनगर पहुंचते ही पुलिस ने डॉ. राजपाल कश्यप और उनके साथ के सपा समर्थकों को रोक दिया। पुलिस के रोकने पर सपा कार्यकर्ताओं ने वहीं विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताई इस दौरान पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं के बीच काफी देर तक बहस होती रही। गोंडा में गोलीबारी की घटना के बाद से राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। विपक्षी दलों के नेता लगातार पीड़ित परिवार से मिल रहे हैं डॉ. राजपाल कश्यप भी इसी सिलसिले में मृतक के परिवार से मिलने जा रहे थे। सपा नेता को पुलिस द्वारा रोके जाने और कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के कारण रामनगर में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल रहा।

फास्ट न्यूज

वाहन ने साइकिल सवार को मारी टक्कर

उन्नाव। उन्नाव के अजगैन थाना क्षेत्र में गुरुवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार अधेड़ की मौत हो गई। हादसा विरसिंहपुर रोड पर सदिरा गांव के पास हुआ। टक्कर के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 10 बजे डायल-112 पर सदिरा गांव के पास सड़क हादसे की सूचना मिली थी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर, सास-दामाद की मौत

हरदोई। हरदोई-सीतापुर मार्ग पर शहबादपुर गांव के पास गुरुवार रात करीब 10:30 बजे एक सड़क हादसे में बाइक सवार सास और दामाद की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मारी। इस हादसे में सास की मौके पर ही जान चली गई, जबकि दामाद ने मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसा इतना भयानक था कि दामाद का एक हाथ शरीर से अलग होकर करीब 30 मीटर दूर जा गिरा। घटना के बाद आरोपी चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया।

मजदूर को जहरीले कीड़े ने काटा

उन्नाव। उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र के सधन खेड़ा गांव में शुक्रवार सुबह खेत में भैंस को चारा देने गए एक मजदूर की जहरीले कीड़े के काटने से मौत हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सधन खेड़ा पोस्ट पतारी निवासी कमलेश राजपूत (42) मजदूरी करके अपने परिवार का गुजारा करते थे।

बैंक कर्मचारियों की हड़ताल

400 से 500 करोड़ का लेनदेन प्रभावित, पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग

तमसा संकेत, एजेसी

उन्नाव। उन्नाव में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) के बुलावे पर शुक्रवार को जिले की सभी बैंक शाखाओं में काम बंद रहा। बैंक कर्मचारियों की हड़ताल से जिले में करीब 400 से 500 करोड़ रुपये का लेनदेन प्रभावित होने की बात कही गई है। दोपहर में उन्नाव शहर के सदर इलाके में सैकड़ों बैंककर्मी इकट्ठा हुए और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। बैंक कर्मचारियों ने बताया कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस सात बड़े बैंक यूनियनों का संगठन है। इसी संगठन के नेतृत्व में बैंककर्मी अपनी कई मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि साल 2024 में इंडियन बैंकिंग एसोसिएशन (IBA) और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बीच पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था लागू

करने के लिए एक समझौता (MOU) हुआ था। करीब ढाई साल बीत जाने के बाद भी इसे लागू नहीं किया गया है। बैंककर्मियों ने आरोप लगाया कि सरकार पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था लागू करने में देरी कर रही है। इसके अलावा, बैंकों में परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) लागू करने की नीति को लेकर भी कर्मचारियों में गुस्सा है। कर्मचारियों के मुताबिक, ग्रेड आठ तक पीएलआई लागू करने की तैयारी है, जबकि शाखाओं में निचले स्तर पर काम करने वाले स्केल जीरो से स्केल तीन तक के कर्मचारियों को कम इंसेंटिव दिया जा रहा है। उन्होंने इसे कर्मचारियों के बीच भेदभाव बताया। प्रदर्शन में शामिल बैंककर्मियों ने कहा कि उन्हें हड़ताल से आम जनता को हो रही परेशानी का दुख है। लेकिन, अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने के लिए आंदोलन करना जरूरी हो गया है। उन्होंने लोगों से बैंक कर्मचारियों की समस्याओं को समझने और उनके आंदोलन का समर्थन करने की अपील की। बैंक कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया, तो 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिन की हड़ताल की जाएगी। अगर इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 26 अक्टूबर से अलग-अलग बैंकिंग संगठनों के कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की तैयारी करेंगे। प्रदर्शन-कारियों ने कहा कि सरकार को समय रहते कर्मचारियों की मांगों पर सही फैसला लेना चाहिए।

मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस रास्ते में बंद

उन्नाव में तीमारदारों ने धक्का देकर चालू करने की कोशिश की

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला एक वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में मरीज को लेकर जा रही एक एंबुलेंस आजाद मार्ग चौराहे के पास खराब खड़ी दिखाई दी। एंबुलेंस को चालू कराने के लिए मरीज के तीमारदार ही पीछे से धक्का लगाते नजर आए। वीडियो सामने आने पर स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था पर लोगों ने सवाल उठाए हैं। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे की है। एंबुलेंस मरीज को लेकर जा रही थी। तभी आजाद मार्ग चौराहे के पास अचानक एंबुलेंस खराब हो गई। एंबुलेंस सड़क पर रुकने के बाद मरीज के साथ मौजूद तीमारदारों ने उसे चालू करने की कोशिश की। जब एंबुलेंस स्टार्ट नहीं हुई तो तीमारदारों ने एंबुलेंस को

धक्का देना शुरू कर दिया। इसी दौरान किसी ने इस घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में कुछ लोग एंबुलेंस को पीछे से धक्का लगाते दिखाई दे रहे हैं, जबकि मरीज एंबुलेंस के अंदर ही था। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने स्वास्थ्य विभाग के कामकाज पर नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए इस्तेमाल होने वाली एंबुलेंस का बीच रास्ते में खराब होना चिंता की बात है। यदि किसी गंभीर मरीज को तत्काल अस्पताल ले जाया जा रहा हो और रास्ते में एंबुलेंस खराब हो जाए तो उसकी जान को खतरा हो सकता है। ऐसे में एंबुलेंस की नियमित जांच और रखरखाव जरूरी है। वीडियो वायरल होने के बाद मामले में स्वास्थ्य विभाग का पक्ष जानने की कोशिश की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) से फोन पर संपर्क किया गया, लेकिन बात नहीं हो पाई। ऐसे में यह साफ नहीं हो पाया कि एंबुलेंस किस सेवा की थी, उसमें क्या तकनीकी खराबी आई और मरीज को अस्पताल कैसे पहुंचाया गया। फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मामले में विभागीय जांच के बाद ही यह साफ हो पाएगा।

मरीज अंदर, बाहर से धक्का लगाते रहे तीमारदार

घटना के दौरान सड़क पर मौजूद किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन से वीडियो बना लिया। वायरल वीडियो में कुछ लोग एंबुलेंस को पीछे से धक्का लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं मरीज एंबुलेंस के अंदर ही मौजूद था। काफी प्रयास के बाद एंबुलेंस को लेकर क्या स्थिति बनी और मरीज को आखिरकार किस माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था पर नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि एंबुलेंस किसी भी मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण सेवा है। ऐसे में यदि मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस बीच रास्ते में ही खराब हो जाए तो इससे मरीज और उसके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सपा नेता राजपाल कश्यप को गोंडा जाने से रोका

गोलीकांड के पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे, रामनगर में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप को बाराबंकी के रामनगर में पुलिस ने रोक दिया। वे गोंडा में गोलीकांड के मृतक विनोद साहनी के परिवार से मिलने जा रहे थे। शुक्रवार दोपहर 12 बजे पुलिस की इस कार्रवाई के बाद सपा कार्यकर्ताओं ने मौके पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। डॉ. राजपाल कश्यप गोंडा के परसपुर क्षेत्र के शाहपुर धनवा में हुई गोलीबारी की घटना के मृतक विनोद साहनी के परिवार से मिलने जा रहे थे। उनका मकसद पीड़ित परिवार से मिलकर दुख बांटना था। रामनगर पहुंचते ही पुलिस ने डॉ. राजपाल कश्यप और उनके साथ के सपा समर्थकों को रोक दिया। पुलिस के रोकने पर सपा कार्यकर्ताओं ने वहीं विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने पुलिस की

कार्रवाई पर नाराजगी जताई इस दौरान पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं के बीच काफी देर तक बहस होती रही। पुलिसकर्मियों ने हालात संभालने की कोशिश की। गोंडा में गोलीबारी की घटना के बाद से राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। विपक्षी दलों के नेता लगातार पीड़ित परिवार से मिल रहे हैं और घटना पर अपनी बात रख रहे हैं। डॉ. राजपाल कश्यप भी इसी सिलसिले में मृतक के परिवार से मिलने जा रहे थे। सपा नेता को पुलिस द्वारा रोके जाने और कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के कारण रामनगर में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल रहा।

जंगली जानवर के हमले से वृद्धा की मौत

भेड़िया के हमले की आशंका, डीएफओ बोले- ड्रोन से हो रही कॉम्बिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद के अतरौली थाना क्षेत्र के भीखपुर ऐमा गांव में शुक्रवार तड़के एक घटना सामने आई। यहां निर्माणाधीन मकान के बाहर तिरपाल के नीचे सो रही 70 वर्षीय वृद्धा छेदाना की जंगली जानवर के हमले में मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। डीएफओ शिंदे जयंत भीमराव के मुताबिक, पागल सियार या भेड़िया ने हमला किया है। चारपाई से कुछ दूरी पर जंगली जानवर के पैर के निशान मिले हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। वहीं, वन विभाग की टीम ने ड्रोन कैमरों की मदद से इलाके में कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू कर दिया है। डीएफओ शिंदे जयंत भीमराव के अनुसार, प्राथमिक जांच में रेबीज

से पीड़ित पागल सियार द्वारा हमला किए जाने की आशंका है मृतका छेदाना के पति छेदाई का पहले ही निधन हो चुका था। उनके बेटे श्रीराम ने बताया कि उन्होंने गांव के अंदर का पुराना मकान बेचकर गांव से करीब 100 मीटर दूर पूरब दिशा में जमीन खरीदी थी। यहां वे नया मकान बनवा रहे हैं, जिसका काम अभी चल रहा है। गुरुवार रात श्रीराम अपनी पत्नी फूलमती और बच्चों के साथ अंदर कमरे में सो रहे थे। उनकी मां छेदाना बाहर तिरपाल के नीचे चारपाई पर सो रही थीं। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे अचानक कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनकर श्रीराम की नींद खुली। जब वह बाहर आए तो मां का शव चारपाई पर खून से लथपथ पड़ा मिला। उनकी गर्दन पर गहरे घाव और चेहरे पर नोंचने के निशान थे। शोर मचते ही ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और अतरौली पुलिस व वन विभाग को सूचना दी गई। घटना की सूचना पर क्षेत्रीय वन अधिकारी विनय जादौन, वन रेंजर विनय कुमार और वन दरोगा वीरेंद्र पटेल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। डीएफओ ने बताया कि घाव के निशानों से पता चलता है कि हमला 'डॉग फैमिली' के किसी जानवर ने किया है। आशंका है कि हमलावर सियार रेबीज से पीड़ित था, यानी वह पागल था। सामान्य सियार मांस खाता है, लेकिन इसने सिर्फ हमला किया। फिलहाल इलाके में ड्रोन और

टीमों के जरिए कॉम्बिंग जारी है।

हादसा : सब्जी व्यापारी समेत दो की मौत, दंपति समेत 7 लोग गंभीर घायल

रोडवेज बस और सीएनजी ऑटो की जोरदार टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

66 बताया गया कि शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे हरदोई-बिलग्राम मार्ग पर कसरावां पेट्रोल पंप के पास यात्रियों से भरे सीएनजी ऑटो की सामने से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस से टक्कर हो गई। अचानक हुई भिड़ंत से ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को ऑटो से बाहर निकालने में मदद की और घटना की जानकारी पुलिस को दी।

मदद से हरदोई मेडिकल कॉलेज भिजवाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सांडी थाना क्षेत्र के तेरिया निवासी दिनेश (22) पुत्र रामसनेही और बिलग्राम के जरौली शेरपुर निवासी लाल पुत्र कमलेश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे में जान गंवाने वाले दिनेश सेमरा चौराहे पर सब्जी की दुकान चलाते थे। बताया गया कि वह लखनऊ चुंगी मंडी से सब्जी खरीदकर दूसरे वाहन से भेज चुके थे और इसके बाद खुद ऑटो से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान हादसे ने उनकी जान ले ली। दिनेश अपने पांच भाइयों में सबसे छोटे थे और अभी अविवाहित थे। बेटे की मौत की खबर मिलते ही उनकी मां रामश्री सदमे में आ गईं। परिवार में हादसे की खबर पहुंचते ही मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि नूरजहां अपने पति नबी हसन के साथ बिलग्राम के दुहतियामऊ स्थित अपने मायके जा रही थीं।

बेटे के साथ ऑटो में सवार थे जितेंद्र

हादसे में मल्लावां के बेसन पुरवा निवासी जितेंद्र सिंह (38) और उनका 10 वर्षीय बेटा शिवांग सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। हादसे में घायल अन्य लोगों में कोतवाली देहात के नानकगंज झाला निवासी नूरजहां और उनके पति नबी हसन भी शामिल हैं।

उगू नगर पंचायत में बाहरी हस्तक्षेप का आरोप

सभासदों ने अध्यक्ष के कामकाज पर सवाल उठाए, डीएम से जांच की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में उगू नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर निर्वाचित सभासदों ने सवाल उठाए हैं। शुक्रवार को सभासदों ने DM और SDM को एक शिकायत पत्र दिया। इसमें उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता पासी की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक कामकाज में कथित बाहरी हस्तक्षेप और विकास कार्यों के प्रभावित होने की शिकायत की है। सभासदों ने मामले की निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। सभासदों ने अपने शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि अध्यक्ष पद के दायित्वों और प्रशासनिक कार्यों में अनुज कुमार दीक्षित का हस्तक्षेप है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि अनुज कुमार दीक्षित का नगर

उन्नाव में उगू नगर पंचायत के सभासदों ने डीएम-एसडीएम से शिकायत की है।

पंचायत में कोई संवैधानिक या आधिकारिक पद नहीं है। इसके बावजूद उनका नगर पंचायत के कामकाज पर काफी प्रभाव है। सभासदों ने यह भी आरोप लगाया कि उनके प्रभाव के कारण नगर पंचायत के अलग-अलग कामों, निविदाओं और कर्मचारियों से जुड़े मामलों में उनके करीबियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने इन आरोपों की जांच कर वित्तीय और प्रशासनिक प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने की मांग की है। सभासदों का कहना है कि नगर पंचायत में स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से फैसले नहीं लिए जा रहे हैं। इस वजह से विकास कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। उनका आरोप है कि प्रशासनिक कामकाज में बाहरी हस्तक्षेप के कारण कई काम रुके हुए हैं। इसका सीधा असर नगर पंचायत क्षेत्र की जनता पर पड़ रहा है। शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन से नगर पंचायत के कामों, निविदाओं, कर्मचारियों से जुड़े फैसलों और विकास कार्यों की जांच कराने की मांग की है।

सम्पादकीय

कांग्रेस की संकीर्णता

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का यह आदेश विचित्र और विरोधाभासी ही है कि राजकीय कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल दो ही पद गाए जाएंगे। यह आदेश इसलिए हैरान करता है, क्योंकि इसी में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल आदि की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के सभी छह पद गाए जाएंगे। आखिर कर्नाटक सरकार अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के पूर्ण गायन से क्यों हिचक रही है?

लगता है ऐसा फैसला केवल इसलिए किया गया ताकि कांग्रेस नेतृत्व और विशेष रूप से गांधी परिवार को संतुष्ट किया जा सके और साथ ही कर्नाटक में किसी राजनीतिक नुकसान से भी बचा जा सके, लेकिन यह याद रखना चाहिए कि दो नावों की सवारी कभी हितकारी नहीं होती। यह फैसला इसलिए गांधी परिवार के दबाव का नतीजा दिखता है, क्योंकि इसी 15 अगस्त को कर्नाटक में स्वतंत्रता दिवस समारोह में वंदे मातरम् का पूर्ण गायन हुआ था।

वंदे मातरम् को अलग-अलग अवसरों पर अलग-अलग तरीके से गाने का फैसला राष्ट्रीय गीत का अनादर ही है। आखिर जब वंदे मातरम् के पूर्ण गायन को लेकर एक कानून बना दिया गया है, तब फिर उसकी अवहेलना करने का क्या औचित्य? इससे बड़ी विंडबना और कोई नहीं कि संविधान की शपथ लेने वाली कोई सरकार ही संसद से पारित किसी कानून की अनदेखी करे। यदि सरकारें ही ऐसा करेंगी तो फिर इससे कानून की अवहेलना की प्रवृत्ति को बल ही मिलेगा।

कर्नाटक सरकार का फैसला उन तत्वों को बल प्रदान करने वाला है, जो किसी न किसी बहाने राष्ट्रीय प्रतीकों को सम्मान देने से इन्कार करते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वतंत्रता संघर्ष का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस वोट बैंक की सस्ती राजनीति के चलते राष्ट्रीय गीत को पूर्ण सम्मान देने के लिए तैयार नहीं। कांग्रेस वंदे मातरम् के दो ही पद गाने पर इसलिए अड़ी है, क्योंकि देश विभाजन के लिए जिम्मेदार मुस्लिम लीग की आपत्ति के बाद 1937 में इस गीत के इतने ही पद गाने का फैसला किया गया था। ध्यान रहे इसके बावजूद मुस्लिम लीग अलगाववादी एजेंडे पर चलती रही और देश के विभाजन का कारण बनी। आखिर कांग्रेस आज भी मुस्लिम लीग की आपत्तियों को महत्व क्यों दे रही है? कांग्रेस को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस ने वंदे मातरम् का पूर्ण गायन करना पसंद किया। हैरानी यह रही कि कांग्रेस ने इस पर आपत्ति जताई। ऐसा कर उसने अपनी संकुचित मानसिकता का ही परिचय दिया। वह यह देखने को भी तैयार नहीं कि नेशनल कांफ्रेंस ने उसे यह नसीहत देने में देर नहीं की थी कि राष्ट्रीय गीत का गायन किस तरह हो, इसे तय करने का अधिकार उसे नहीं है।

वाणी संयम दिवस

प्रश्न हो सकता हैं कि जब हमारे पास बोलने की शक्ति हैं तो फिर मौन क्यों? कहना तो यह चाहिए कि प्राप्त शक्ति का अधिकतम उपयोग करो । मन है तो चिंतन करो, वाणी है तो बोलो और शरीर मिला हैं तो क्रिया करो । यह वर्जना और निषेध क्यों? प्रश्न बहुत स्वाभाविक हैं इसका उत्तर खोजे तो बहुत कठिन नहीं हैं । मौन को समझने का प्रयत्न करे तो पहले यह लगेगा की मौन का सही अर्थ तो पता कर लेना चाहिए । मौन का अर्थ हैं बोलने की कला । केवल न बोलना मौन नहीं है । ढंग से बोलना , कलापूर्ण बोलना मौन हैं । शक्ति का उपयोग कब करना चाहिए ? क्यों करना चाहिए और कैसे करना चाहिए ? ये तीनो महत्वपूर्ण प्रश्न हैं । हमारे पास बोलने की शक्ति हैं, किंतु इसका मतलब यह नहीं हैं कि हर समय बोलते ही रहें । कब बोले ? पहले इस प्रश्न का उत्तर तलाशना चाहिए। निरंतर बोलते ही रहेंगे तो पागल हो जाएंगे, शक्ति क्षीण हो जाएगी । एक समय ऐसा आएगा कि वाणी पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाएगी । शक्ति असीम नहीं हैं । उसकी सीमा हैं, अवधि हैं। हर शक्ति के साथ कला जुड़ी हुई है ।बोले, लेकिन जब आवश्यकता हो तब बोले अन्यथा न बोलें । इसका नाम हैं मौन ।अवसर हो तो बोलें , अवसर न हो तो न बोलें । उपयोगिता हो, अपेक्षा हो , वहां बोलना चाहिए । कुछ लोगों को बोलने की बीमारी जैसी हो जाती हैं । वे चुप नहीं रह सकते । जिससे चिपक जाते हैं, जल्दी से छोड़ते नहीं है । ऐसे लोगो से पिंड छुड़ाना पड़ता हैं । ऐसे भी लोग होते है, जो मौके पर बोलने से चूक जातें हैं । जहां बोलना चाहिए. वहां नहीं बोलते और जहां नहीं बोलना चाहिए , वहां बोल पड़ते हैं । इससे काम बिगड़ जाता हैं । जहां बोलने की जरूरत हैं वहां मौन धारण कर लेना बुद्धिमानी नहीं हैं । व्यक्ति जो बोल रहा हैं, महत्व उसका नहीं हैं। वह क्या बोल रहा हैं, महत्व इस बात का हैं । यदि वह कोई ज्ञान की बात बोलता है तो दस घंटा भी बोलें तो वह उसका मौन कहा जाएगा । वह उसकी वचनगुप्ति होगी । दूसरी और दस- बीस मिनट भी बोला , किंतु सार्थक नहीं बोला , उपयोगी नहीं बोला तो यह उसकी वचालता ही कही जाएगी । हमारी सारी प्रवृति वाणी पर टिकी है ।

› प्रदीप छाजेड़

पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

> आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है।

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पर्धाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है।

राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना-अर्थात् अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है। संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है।

भगवान महावीर का संदेश-"मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ"-अर्थात् सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं। आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा।

– ललित गर्ग

हिंदी का विरोध ... — सीताराम गुप्ता

हिंदी का विकास : दूसरों का विरोध नहीं, अपना लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए

पिछले दिनों कुछ समाचार पत्रों में एक समाचार देखने में आया कि शिवपुरी के एक मिशनरी स्कूल में पढ़ने वाले चौथी कक्षा के बच्चों को कक्षा में आपस में हिंदी में बातचीत करने पर सज़ा दी गई। अंग्रेज़ी माध्यम के प्रायः सभी पब्लिक स्कूलों में विद्यालय परिसर अथवा कक्षाओं में छात्रों के आपस में हिंदी में बातचीत करने को हतोत्साह किया जाता है। इसके लिए कई बार सज़ा भी दी जाती है। शिवपुरी के मिशनरी स्कूल में भी बच्चों को कक्षा में आपस में हिंदी में बातचीत करने पर सज़ा के तौर पर आठ पेज ''आई विल नॉट स्पीक इन हिंदी'' लिखने की सजा दी गई। इस प्रकार का प्रयास सार्थक अथवा उचित नहीं कहा जा सकता। यह व्यावहारिक ही नहीं है। ''आई विल नॉट स्पीक इन हिंदी'' ये लिखवाना ही मूर्खतापूर्ण है क्योंकि इसमें स्पष्ट रूप से हिंदी का विरोध तो झलकता है लेकिन अंग्रेज़ी का पक्ष बिलकुल नदारद है।

हिंदी का विरोध करने या उसके प्रयोग को हतोत्साह करने से अंग्रेज़ी या अन्य कोई भी भाषा अच्छी तरह से नहीं आ सकती। वास्तव में हमारी अपनी भाषा अथवा मातृभाषा जितनी अच्छी होगी, उतनी ही अच्छी तरह से हम दूसरी भाषाएँ अथवा अन्य विषय पढ़ सकते हैं। यदि हमारा माध्यम अंग्रेज़ी है तो हमें अच्छी अंग्रेज़ी भी आनी चाहिए। हम अंग्रेज़ी अच्छी तरह से सीखें और अच्छी अंग्रेज़ी बोलें इसमें कोई बुराई नहीं लेकिन अच्छी अंग्रेज़ी बोलने के लिए अंग्रेज़ी का अभ्यास अनिवार्य है न कि हिंदी का विरोध। इसी प्रकार से अच्छी हिंदी बोलने के लिए हिंदी का अभ्यास अनिवार्य है न कि अंग्रेज़ी का विरोध। यदि हम आई विल नॉट स्पीक इन हिंदी कहते हैं तो इस वाक्य में अंग्रेज़ी के लिए तो हमने कुछ कहा ही नहीं। हमने तो सारा ध्यान हिंदी पर ही केंद्रित कर दिया। वास्तव में हमारा सारा ध्यान तो जो हमें सीखना है अथवा पाना है केवल उस पर केंद्रित होना चाहिए। आकर्षण के नियम के अनुसार हमें जो चीज़ें पानी हैं अथवा जो चीज़ें सीखनी हैं केवल उन पर ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य होता है। जिस चीज़ से बचना हो उससे ध्यान हटाने के लिए उसी का नाम दोहराना पूरी तरह से ग़लत है। भाषाओं के संदर्भ में भी ये नियम उसी तरह से काम करता है। भारत के दक्षिणी राज्यों में कई बार हिंदी का प्रचंड विरोध होता है जिसके कारण वे लोग हिंदी नहीं सीख पाते लेकिन इससे हिंदी का कोई नुकसान नहीं होता। उनके विरोध के बावजूद हिंदी उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर है। वास्तव में नुकसान हिंदी का विरोध करने वालों का होता है। उनको हिंदी सीखने से जो सुविधा मिलती उससे वे वंचित रह जाते हैं। जिस प्रकार भारत के कुछ दक्षिणी राज्यों में कई बार हिंदी का विरोध होता है उसी प्रकार से हम हिंदी वाले भी कई बार अंग्रेज़ी का खूब विरोध करते हैं। क्या इससे अंग्रेज़ी को कोई क्षति पहुँचती है? बिलकुल नहीं। यदि इससे नुकसान होता है तो हमारा हिंदीवालों का ही होता है। अंग्रेज़ी अथवा अन्य किसी भाषा का विरोध करने से हमारी हिंदी थोड़े ही सुधर जाएगी? यदि हमें हिंदी में सुधार करना है अथवा अच्छी हिंदी सीखनी है तो हमें अपना सारा ध्यान हिंदी पर केंद्रित करना चाहिए। मैं अंग्रेज़ी नहीं बोलता कहने की बजाय ये कहना चाहिए और बार-बार कहना चाहिए कि मेरी हिंदी बहुत अच्छी है। मैं हिंदी बोलता हूँ और हिंदी में अपना सारा कार्य करता हूँ। मुझे हिंदी से प्रेम है। आई लव हिंदी कह देंगे तो भी नुकसान नहीं लाभ ही होगा। जहाँ तक अंग्रेज़ी के विरोध का प्रश्न है वह भी सरासर गलत है। मेरे विचार से हिंदी भाषा के विकास में अंग्रेज़ी बाधक नहीं। यदि हमें अंग्रेज़ी अथवा दूसरी भाषाएँ अच्छी तरह से आती हैं तो उससे हमारे हिंदी के स्तर में भी सुधार ही होगा। हिंदी वालों की स्थिति ये है कि अधिकतर हिंदीभाषी अंग्रेज़ी अच्छी तरह जानते हुए भी अंग्रेज़ी बोल नहीं पाते। इसका एक ही कारण है अंग्रेज़ी का विरोध व उसमें कमियाँ निकालना। हम जिस चीज़ में कमियाँ निकालेंगे उसे मन से स्वीकार भी नहीं कर पाएँगे। ऐसे में अंग्रेज़ी भाषा को ठीक से समझना व बोलना कैसे संभव होगा?

यदि अच्छी हिंदी सीखनी है अथवा हिंदी के प्रयोग अथवा हिंदी में काम-काज को प्रोत्साहित करना है तो अंग्रेज़ी अथवा दूसरी भाषाओं का विरोध करना छोड़कर अपना सारा ध्यान हिंदी पर केंद्रित करना ही श्रेयस्कर होगा क्योंकि अन्य कोई उपाय है ही नहीं। यदि हम प्रयास करके अपना सारा ध्यान किसी बात पर लगा देते हैं तो उसमें सफलता असंदिग्ध हो जाती है। आज हम केवल भाषाओं की ही बात करेंगे।

यानी ट्रंप के... — राम स्वरूप रावतसरे

ब्रिक्स समिट - अमेरिका के दबदबे पर भारत का कूटनीतिक प्रहार

दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को होने वाली ब्रिक्स समिट पर पूरी दुनिया की नजर है। लेकिन सबसे ज्यादा नजर अगर किसी की है तो वो है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की। वजह साफ है ब्रिक्स का बढ़ता दायरा, डॉलर से दूरी की कोशिश और भारत की मेजबानी में रूस, चीन और ईरान जैसे देशों का एक मंच पर आना। ट्रंप पहले ही ब्रिक्स को लेकर कई बार नाराजगी जता चुके हैं। ब्रिक्स देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ की धमकी दे चुके हैं। तो अब सवाल है कि आखिर ब्रिक्स से डोनाल्ड ट्रंप को क्या खतरा दिखता है? और भारत में होने वाले इस सम्मेलन का अमेरिका पर क्या असर हो सकता है? जानकारों के अनुसार ब्रिक्स अब सिर्फ ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका तक सीमित नहीं है। ईरान समेत कई नए देश इसका हिस्सा बन चुके हैं। यानी एक ऐसा मंच, जिसकी आर्थिक और राजनीतिक पहुंच लगातार बढ़ रही है और यही विस्तार अमेरिका के लिए चिंता का कारण है, खासकर इसलिए क्योंकि ब्रिक्स के भीतर कुछ देश दुनिया की मौजूदा आर्थिक व्यवस्था में बदलाव की बात कर रहे हैं। मसलन- अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने, स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाने और अल्टरनेटिव पेमेंट सिस्टम को मजबूत करने की। हालांकि भारत की लाइन काफी साफ है। ब्रिक्स किसी एंटी-यूएस या एंटी-वेस्ट गठजोड़ के तौर पर नहीं, बल्कि ग्लोबल साउथ की आवाज और प्रैक्टिकल इकनॉमिक कोऑपरेशन के मंच के तौर पर काम करे। यही संतुलन इस सम्मेलन को और महत्वपूर्ण बनाता है। डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स को लेकर अपनी नाराजगी छिपाते नहीं रहे हैं। नवंबर 2024 में ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ब्रिक्स देश डॉलर को हटाने के लिए नई करेंसी बनाते हैं या किसी दूसरी करेंसी का समर्थन करते हैं, तो अमेरिका 100 फीसदी टैरिफ लगा सकता है। जनवरी 2025 में ट्रंप ने फिर यही धमकी दोहराई। और फरवरी 2025 में उन्होंने साफ कहा कि अगर ब्रिक्स देश डॉलर के साथ 'खेलने' की कोशिश करते हैं, तो उन्हें 100 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। इसके बाद जुलाई 2025 में ट्रंप ने ब्रिक्स की कथित एंटी अमेरिकन पॉलिसी के साथ जुड़ने वाले देशों पर अतिरिक्त 10 फीसदी टैरिफ की भी चेतावनी दी, यानी ट्रंप के लिए ब्रिक्स का मुद्दा सिर्फ व्यापार का नहीं है, ये अमेरिकन इकनॉमिक पावर और डॉलर डोमिनेंस का भी सवाल है। हालांकि, ब्रिक्स के पास अभी कोई साझा करेंसी नहीं है और भारत ने भी ब्रिक्स की तरफ से डॉलर को बदलने वाली साझा करेंसी की वकालत नहीं की है। भारत का जोर ज्यादा प्रैक्टिकल विकल्पों पर रहा है। जैसे द्विपक्षीय व्यापार में राष्ट्रीय मुद्रा और बेहतर डिजिटल पेमेंट कनेक्टिविटी। अब सवाल है कि आखिर डॉलर को ब्रिक्स से खतरा क्यों माना जा रहा है? आज भी डॉलर वैश्विक व्यापार और फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व में सबसे मज़बूत करेंसी है लेकिन ब्रिक्स का आर्थिक वज़न बढ़ रहा है। इसके कई सदस्य सेंक्शंस और जियोपॉलिटिकल दबाव के बीच डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं। जानकारों के अनुसार रूस का लक्ष्य डी डॉलराइजेशन नहीं है। रूस सिर्फ अलग -अलग एक्स्पेटेबल पेमेंट मेथड के लिए खुलापन चाहता है, यानी ब्रिक्स में डॉलर को तुरंत खत्म करने की कोई एकजुट योजना नहीं है और इसी बीच दिल्ली में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की मौजूदगी भी बेहद अहम होगी।

जरा हटके

राजनीति में यह ... — डॉ0 मत्स्येन्द्र प्रभाकर

लोकतंत्र के 'फूफा'

'नाराज फूफा' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गढ़ा गया एक व्यंग्यात्मक शब्द है, जिसका इस्तेमाल वे उन लोगों—खासकर विपक्ष—के लिए कर रहे हैं, जो हर नयी विकास परियोजना या सरकारी कदम पर सवाल उठाते हैं और ₹यह क्यों चाहिए?₹ जैसे सवाल करते हैं। इससे यह बहस चल पड़ी हैं कि क्या यह विकास की रफ़्तार पर सवाल है या सियासी तंज; प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में 5 सितम्बर को दिल्ली के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (SRCC) के शताब्दी समारोह में उन आलोचकों को ₹नाराज फूफा₹ कहा जो हर काम शुरू होते ही विरोध करते हैं। उनका कहना था—जब भी कोई नया काम शुरू होता है, कुछ लोग ₹फूफा₹ बनकर सवाल करने लगते हैं। यह शब्द राजनीति में नया है पर सामाजिक जीवन में ₹फूफा₹ बहुत पुराना चेहरा है। हर परिवार में एक ऐसे फूफा होते हैं, जो हर खुशी में कुछ कमी ढूँढ लेते हैं। हर उपलब्धि में सन्देह करते हैं। हर फैसले पर पर क्यों?₹पूछते हैं।

प्रधानमंत्री का मानना हैं कि लोकतंत्र में भी ऐसे ही ₹फूफा₹ होते हैं जिनके पास नाराज़ होने का बहुत स्पष्ट कारण नहीं होता। फिर भी कारणों की कमी नहीं पड़ती। सब कुछ ठीक होने में भी उन्हें गड़बड़ी की गन्ध आती है। ये ₹आपत्ति मंत्रालय के अनन्य पदाधिकारी₹ होते हैं। आयोजनों में होंठ सिकोड़कर चाय पीते रहते हैं।

पर ₹क्या लोकतंत्र को ऐसे फूफा से छुटकारा चाहिए?₹ जवाब हैं ₹नहीं।₹ लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि 'फूफा' मौजूद रहे। कभी-कभी परेशान करे। कभी बिला वजह। कभी पूर्वाग्रह से। कभी सचमुच जरूरी सवाल के साथ। उसकी मौजूदगी असुविधाजनक है लेकिन अनुपस्थिति भी खलती है। इसलिए फूफा से छुटकारा लोकतंत्र का समाधान नहीं है। लोकतंत्र में फूफा का होना शुभ संकेत है।

राजनीति में यह श्रेणी बहुत बड़ी है। सिर्फ भाजपा में नहीं, हर दल में। कांग्रेस का अपना फूफा है। समाजवादी पार्टी का अपना। क्षेत्रीय दलों के अपने-अपने फूफा हैं। फूफा की सिर्फ अपेक्षाएँ होती हैं। भले ही तर्कसंगत न हों। इसलिए उसकी नाराज़गी भी अजीब होती है।

यही फर्क है नाराज़गी और विद्रोह के बीच की पूरी राजनीति में। यह फूफा का पुराना कौशल है—नाराज़ और निष्ठावान एक साथ हो जाना।

सामाजिक जीवन में फूफा की भूमिका और गहरी होती है। वह परिवार का हिस्सा है। रिश्तेदार है। उसकी आलोचना में ममता भी होती है। चिन्ता भी। वह इसलिए नाराज़ होता है क्योंकि उसे लगता है कि सब कुछ सही नहीं हो रहा। शायद वह अपने तरीके से सही सलाह दे रहा हो। भारतीय परिवारों में फूफा जी का स्थान सबसे निराला होता है। वे केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि एक सामाजिक संस्था होते हैं। बेहतरीन विशेषण में इन्हे ₹रिश्तेदारी के स्थायी विपक्ष₹ से विभूषित किया जा सकता हैं! कभी किसी बात पर ये पक्ष में हों यह लगभग असम्भव हैं!

भारतीय संस्कृति में फूफा को अक्सर परिवार का वह सदस्य माना जाता है, जो हर व्यवस्था पर पैनी नजर रखता है। उनकी सन्तुष्टि ही समारोह की सफलता का पैमाना होती है। उत्तर भारत में एक मशहूर कहावत है—अगर शादी में फूफा जी न रूठें, तो वह शादी अधूरी मानी जाती है।

फूफा कोई साधारण व्यक्ति नहीं होते। वे रिश्तेदारी के स्थायी विपक्ष हैं। सरकार कोई भी हो, सत्ता किसी की भी हो, फूफा असन्तुष्ट रहते हैं। उनका असन्तोष ही उनकी पहचान है। वह खुश हो जाएँ तो परिवार को चिन्ता होने लगती है कि कहीं कुछ गलत तो नहीं हो गया।

लोकतंत्र का फूफा भी यही करता है। वह सवाल पूछता है। आलोचना करता है। कभी-कभी उसका सवाल बेबुनियाद होता है। कभी-कभी जरूरी। लोकतंत्र को दोनों की जरूरत है—सवाल करने वाले और जवाब देने वाले।

फूफा की नाराज़गी को समझना जरूरी है। उसे दबाना नहीं। उसे सुनना चाहिए। फिर तय करना चाहिए कि कौन सा सवाल जायज है और कौन सा नहीं। लोकतंत्र में हर आवाज को जगह मिलनी चाहिए। चाहे वह फूफा की हो या युवा की।

मोदी का नाराज फूफाशब्द राजनीतिक तंज है पर इसके पीछे एक गहरा सामाजिक सच भी है। हर समाज में ऐसे लोग होते हैं जो बदलाव से डरते हैं। नयी बात से असहज होते हैं। उन्हें लगता है कि पुराना तरीका बेहतर था।

लोकतंत्र को ऐसे फूफा को भी साथ लेकर चलना होता है। उसे नजरअन्दाज नहीं करना चाहिए। उसे समझाना चाहिए। उसे भरोसा दिलाना चाहिए कि बदलाव जरूरी है। विकास जरूरी है।

फूफा की नाराज़गी को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उसे गम्भीरता से सुनना चाहिए। क्योंकि कभी-कभी वही सच बोल रहा होता है। कभी-कभी वही गलतफहमी में होता है। लोकतंत्र का काम है दोनों को पहचानना।

लोकतंत्र के फूफा को समझना, उसे सुनना और उसे जवाब देना—यही लोकतांत्रिक संवाद की असली परीक्षा है।

6.41 करोड़ जुर्माना वसूलने पर रोक, जुमे पर ड्रोन से निगरानी, 1000 पीएसी-आरआरएफ जवान तैनात

हाईकोर्ट ने सहारनपुर मस्जिद पर यूपी सरकार से मांगा जवाब

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद गिराने के मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मस्जिद कमेटी को अंतरिम राहत देते हुए 6.41 करोड़ रुपए के जुर्माना वसूलने पर रोक लगा दी। साथ ही, कोर्ट ने अगले तीन हफ्तों में सरकार को काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका पर सुनवाई जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच में हुई। अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी। 9 सितंबर को मस्जिद कमेटी

के मुतवल्ली मोहम्मद तनवीर अहमद की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। इसमें कहा गया था कि प्रशासन ने पर्याप्त कानूनी नोटिस और वैध ध्वस्तीकरण आदेश के बिना 5 सितंबर को कार्रवाई की। इधर, ध्वस्तीकरण के 6 दिन बाद जुमे की नमाज को देखते हुए सहारनपुर में बड़ी संख्या में फोर्स तैनात की गई। संवेदनशील स्थिति को देखते हुए जिले में हाईअलर्ट रहा। PAC और RRF के करीब 1000 जवानों ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। भीड़भाड़ वाले स्थानों और प्रमुख मस्जिदों के आसपास ड्रोन से निगरानी की गई। नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोग मस्जिदों में पहुंचे। जामा मस्जिद में करीब 150 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई। मस्जिद के आसपास करीब 20-20 मीटर की दूरी पर जवान तैनात रहे। पुलिस का कहना है कि जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। सुरक्षा व्यवस्था को एहतियात के तौर पर मजबूत रखा गया था कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद 3300 स्क्वायर फीट में बनी हुई थी। दो मंजिला मस्जिद में 2 बड़े हॉल समेत 5 कमरे थे। ग्राउंड फ्लोर पर एक बड़ा हॉल और दो कमरे थे। पहली मंजिल पर हॉल के साथ एक बड़ा कमरा था। कमरे में डाकघर चलता था।

5 सितंबर को ढहाई गई मस्जिद, नीचे मिला कुआं

सहारनपुर में 5 सितंबर को प्रशासन ने कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद को अवैध बताते हुए गिरा दिया था। 16 घंटे तक 6 बुलडोजर चले। रविवार सुबह मलबा हटाने पर नीचे कुआं मिला। सोमवार सुबह ASI की टीम जांच के लिए पहुंची। 3 अफसरों ने कुएं के अंदर उतरकर जांच की और फीता डालकर गहराई मापी। अफसर ने कहा- कुआं 200 से 250 साल पुराना हो सकता है। प्रशासन का कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद मस्जिद गिराई गई। मस्जिद पक्ष का आरोप है कि उसे हाईकोर्ट में अपील का मौका नहीं दिया गया। वकील बाबर वसीम ने कहा- कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया- यहां पहले मंदिर रहा होगा। उसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई।

यूपी राइज : योगी सरकार के विजन 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' को धरातल पर उतार रहे प्रदेश के युवा

रायबरेली में हुआ 'यूपी राइज : संवाद, संकल्प, सफलता' कार्यक्रम का आयोजन

तमसा संकेत,संवाददाता

रायबरेली। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वाकांक्षी योजनाएं चला रही है। सरकार के विजन 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' को धरातल पर उतारने के लिए फिरोज़ गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, रायबरेली में 'यूपी राइजः संवाद, संकल्प, सफलता' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को केवल नौकरी तलाशने वाला न बनाकर, उन्हें स्वयं का उद्यम स्थापित कर दूसरों को रोजगार देने वाला बनाना है। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक छात्र- छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विश्व में सबसे बड़ी युवा वर्कफोर्स उत्तर प्रदेश के पास, 50 फीसदी स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाओं के हाथ में- मनीष खेमका कार्यक्रम में ग्लोबल टैक्सपेयर्स ट्रस्ट के चेयरमैन एवं जीएसटी ग्रीवांस रिड्रेसल कमेटी के सदस्य मनीष खेमका ने युवाओं को यूपी के मजबूत स्टार्टअप ईकोसिस्टम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्व में सबसे बड़ी युवा वर्कफोर्स उत्तर प्रदेश के पास है। यह हमारा डेमोग्राफिक डिविडेंड है। यूपी के युवा अब 'जॉब सीकर' नहीं, 'जॉब क्रिएटर' बन रहे हैं। वर्ष 2017 से पहले राज्य में पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या मात्र 120 के आसपास थी, जो आज 24 हजार से अधिक हो चुकी है। इनमें 50 फीसदी स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाओं के हाथ में है। 8 यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स खड़े हो चुके हैं। सरकार ने स्टार्टअप नीति 2026 के माध्यम से नीतिगत रास्ते आसान किए हैं। युवाओं को 20,000 प्रति माह का सस्टेनेंस एलाउंस, 10 लाख तक का प्रोटोटाइप अनुदान, और 15 लाख तक की सीड कैपिटल दी जा रही है। 65 विभागों के 4,675 से अधिक पुराने नियमों व अनुपालनों को समाप्त कर बिजनेस आसान बनाया गया है।

इसीलिए राज्य में कारखानों की संख्या 14 हजार से बढ़कर 31 हजार से अधिक हो चुकी है। यूपी अब भारत में बिजनेस करने के लिए शीर्ष अनुकूल राज्यों में शामिल है, जिसका युवाओं को पूरा लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम में एआई कंसल्टेंट, टेक्निकल आर्किटेक्ट व मोबिलिटी विशेषज्ञ लता रस्तोगी और मनीष नाथ ने छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नई तकनीकों और विभिन्न उभरते स्टार्टअप के बारे में जानकारी दी। 12 स्टार्टअप आइडिया हुए शॉर्टलिस्ट, प्रेजेंटेशन देने वाले विजेता हुए सम्मानित प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही योगी सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार समेत महिला सशक्तीकरण से जुड़ी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

फास्ट न्यूज

जेएचवी माल पर वाराणसी नगर निगम सख्त

वाराणसी। वाराणसी नगर निगम जेएचवी माल द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के उल्लंघन पर सख्त हुआ है। जेएचवी माल द्वारा कूड़े को अपने ही परिसर में डंप करने से गंदगी फैल रही है। जबकि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की गाड़ी रोजाना वहां जाती है। इस बात की सूचना पर निगम ने जेएचवी माल को नोटिस दी थी. नोटिस की समयावधि समाप्त होने के बाद निगम सख्त होता दिखाई दे रहा है। अब सीजेएम कोर्ट से चालान भेजने की नगर निगम तैयारी कर रहा है।

चंद्रशेखर की पूर्व गर्लफ्रेंड 6 साल बाद भारत लौटीं

नई दिल्ली। नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली डॉ. रोहिणी घावरी स्विट्जरलैंड से शुक्रवार को भारत लौट आईं। दिल्ली एयरपोर्ट पर श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल सिंह अम्मू, हिंदूवादी नेता दक्ष चौधरी और अक्कू पंडित जैसे तमाम लोगों ने स्वागत किया। रोहिणी घावरी ने चंद्रशेखर का नाम लिए बगैर कहा- बाबा साहेब अंबेडकर को मानने वाला व्यक्ति न्यायप्रिय होता है। शोषणकारी नहीं होता है। मेरे सम्मान की लड़ाई क्यों नहीं लड़ी? मेरे साथ अन्याय क्यों किया? क्यों, मैं इस समाज की बेटी नहीं हूं? मैं दलित समाज की बेटी नहीं हूं?

फफूंद स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग को समर्थन

औरैया। औरैया के फफूंद रेलवे स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग को जायंट्स ग्रुप ऑफ दिबियापुर सहेली और जायंट्स ग्रुप ऑफ सखी संगिनी ने समर्थन दिया है। दिबियापुर-औरैया संघर्ष समिति इस मांग को लेकर लगातार प्रयास कर रही है। जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन-5 की कोऑर्डिनेटर पूनम गुप्ता, जायंट्स ग्रुप ऑफ दिबियापुर सहेली की अध्यक्ष भारती पोरवाल और जायंट्स ग्रुप ऑफ सखी संगिनी की अध्यक्ष चांदनी पोरवाल के नेतृत्व में पदाधिकारी और सदस्य स्टेशन पहुंचे।

सीखते कदम, बढ़ती दक्षता : मिशन कर्मयोगी से संवरेगा शिक्षा विभाग का कार्यबल

योगी सरकार ने शिक्षा विभाग में निरंतर सीखने और क्षमता विकास को दी नई गति

तमसा संकेत,संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार शिक्षा व्यवस्था के साथ उसे गति देने वाले मानव संसाधन को भी दक्ष और सक्षम बनाने की नीति पर आगे बढ़ रही है। विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्मिकों का निरंतर क्षमता विकास अब कार्यसंस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जा रहा है। इसी क्रम में मिशन कर्मयोगी पोर्टल के माध्यम से बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को न्यूनतम दो कोर्स अनिवार्य रूप से पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से जिन कार्मिकों ने अभी तक कोई कोर्स पूरा नहीं किया है अथवा जिनके कोर्स अपूर्ण हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षण पूरा कराने को कहा गया है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा मोनिका रानी के निर्देशों के अनुसार कार्यालयाध्यक्ष स्वयं भी कोर्स पूरा करेंगे और अपने अधीनस्थ कार्यरत समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण पूरा कराने की जिम्मेदारी निभाएंगे। इस व्यवस्था से विभागीय प्रशिक्षण को केवल उच्च कार्यालयों तक सीमित रखने के स्थान पर विद्यालय स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया गया है। ज्ञात हो कि मिशन कर्मयोगी के माध्यम से नियमित प्रशिक्षण की यह व्यवस्था शिक्षा विभाग के कार्मिकों में नई दक्षताओं, कार्यकुशलता और निरंतर सीखने की संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है। राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान (एसआईईटी) के निदेशक एवं मिशन कर्मयोगी के बेसिक शिक्षा के नोडल डॉ. मुकेश चंद्र बताते हैं कि कार्मिकों की सुविधा के लिए छह कोर्स चयनित कर उन्हें साझा किए गए हैं। इनमें 'स्क्रीन टाइम प्रबंधन एवं डिजिटल जीवनशैली', 'इंग्लिश वोकैबुलरीः कॉमनली मिसयूज्ड एंड कन्फ्यूज्ड वर्ड्स', 'पूर्व प्राथमिक स्तर के लिए प्रभावी शिक्षण विधियां', 'योगा ब्रेक एट वर्कप्लेस', 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' और 'बेसिक्स ऑफ प्रोजेक्ट मैनेजमेंट' शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों के चयन में डिजिटल जीवनशैली, प्रभावी शिक्षण, तनाव प्रबंधन और कार्यस्थल से जुड़ी दक्षताओं जैसे अलग-अलग पहलुओं को शामिल किया गया है। इससे कार्मिकों को अपनी भूमिका के अनुरूप नई जानकारी और कार्य-कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। निर्देशों के अनुसार ऐसे कार्मिकों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्होंने अभी तक कोई कोर्स पूर्ण नहीं किया है अथवा जिनके कोर्स अपूर्ण हैं।

योगी सरकार का बड़ा प्रयास, 1,600 करोड़ से अधिक की 65 परियोजनाओं से बदलेगी स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर

1,400.70 करोड़ की 44 परियोजनाएं शिलान्यास के लिए तो 206.13 करोड़ की 21 तैयार परियोजनाएं लोकार्पण के लिए तैयार

तमसा संकेत,संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मेडिकल एजुकेशन के अभूतपूर्व विस्तार के बाद योगी सरकार अब चिकित्सा संस्थानों के इंफ्रास्ट्रक्चर और मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा रही है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में करीब 1,606.83 करोड़ रुपये की 65 परियोजनाएं शिलान्यास और लोकार्पण के लिए तैयार हैं। मेडिकल कॉलेजों में बढ़ी सीटों के अनुरूप छात्रावास, लेक्चर थिएटर और परीक्षा भवन से लेकर नर्सिंग कॉलेज, ट्रॉमा सेंटर, एमसीएच सेंटर, संक्रामक रोग चिकित्सालय, ट्रांसप्लांट यूनिट, सीवरेज और जलापूर्ति जैसी सुविधाओं को भी विकसित किया जा रहा है।

मेरठ में ट्रॉमा से मातृ-शिशु स्वास्थ्य तक बड़ा विस्तार

मेरठ मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा सुविधाओं और कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इनमें मौजूदा लेवल-2 ट्रॉमा सेंटर को 100 बेड के लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर के रूप में विकसित करने पर करीब 48.15 करोड़ रुपये तथा बाल रोग विभाग में एमसीएच सेंटर के निर्माण पर करीब 34.82 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। इसके अलावा सीवरेज व्यवस्था, महिला एवं पुरुष पीजी छात्रावास, जलापूर्ति सिस्टम, 10 एमएलडी एसटीपी और बिजली संबंधी बुनियादी सुविधाओं को भी मजबूत किया जाएगा। इस तरह यहां मरीजों के इलाज के साथ मेडिकल छात्रों और चिकित्सकों के लिए जरूरी कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी समानांतर काम होगा।

लखनऊ में 855 करोड़ से 1010 बेड का नया अस्पताल

प्रस्तावित परियोजनाओं में सबसे बड़ी परियोजना लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की है। संस्थान के गोमतीनगर विस्तार स्थित नए परिसर में निर्मित बेसमेंट के ऊपर 1010 शैय्या के अस्पताल भवन का निर्माण करीब 855.04 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित है। यह अकेली परियोजना प्रदेश के मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े विस्तार का संकेत देती है। इसी तरह, गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भी करीब 43.68 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला रोगी सहायक आधुनिक कैंटीन प्रस्तावित है। कानपुर मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध चिकित्सालयों में नया जनरेटर और करीब 49.40 करोड़ रुपये से नया संक्रामक रोग चिकित्सालय बनाने की तैयारी है।

योगी सरकार की रणनीति में मेडिकल सीटों के विस्तार के अनुरूप अकादमिक और आवासीय सुविधाएं विकसित करना महत्वपूर्ण हिस्सा है। झांसी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस यूजी सीटों में वृद्धि को देखते हुए बहुमंजिला भवन में लेक्चर थिएटर, वातानुकूलित पुस्तकालय, कॉन्फ्रेंस हॉल और कैफेटेरिया के साथ परीक्षा हॉल के निर्माण पर करीब 28.44 करोड़ रुपये खर्च प्रस्तावित है। इसके साथ 272 बेड के यूजी बालिका छात्रावास के निर्माण पर करीब 26.89 करोड़ रुपये की परियोजना प्रस्तावित है।

मोहनलालगंज में केबल चोरी करने वाले तीन शातिर गिरफ्तार

दो बंडल केबल और चोरी में इस्तेमाल ऑटो बरामद, नशे की लत पूरी करने के लिए करते थे चोरी

तमसा संकेत,संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने केबल चोरी की घटना का खुलासा करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो बंडल काले रंग की केबल और चोरी में प्रयुक्त एक ऑटो बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुकेश, अंकित वर्मा और गौरव श्रीवास्तव शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक, 10 सितंबर को रायबरेली-लखनऊ मार्ग स्थित हरि रेस्टोरेंट के पास से करीब 50.60 मीटर अंडरग्राउंड केबल काटकर चोरी कर ली गई थी। मामले में सत्य प्रकाश की तहरीर पर मोहनलालगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे आपस में

मित्र हैं और नशे के आदी हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए मिलकर चोरी करते थे। चोरी का सामान अंकित के ऑटो में रखकर ले जाते और उसे बेचने के बाद मिले रुपये आपस में बांट लेते थे। आरोपियों ने बताया कि 8/9 सितंबर की रात हरि रेस्टोरेंट के पास से अंडरग्राउंड केबल चोरी करने के बाद उसे कुछ दूरी पर झाड़ियों में छिपा दिया था। वे केबल बेचने के लिए ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार मुकेश, निवासी चमयानी सिंहपुर, पुरवा उन्नाव, के खिलाफ पहले से चोरी समेत तीन मुकदमे दर्ज हैं।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना से मिली दिशा, आज एसडीएम पद पर चयनित होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं सोनम

सीएम योगी के भरोसे से बढ़ा मनोबल, बेटियों के लिए प्रेरणा बनीं सोनम यादव

सोनम का कहना है कि प्रतिभा और मेहनत हो तो सरकार की योजनाएं सफलता तक पहुंचने का रास्ता आसान बनाती हैं

तमसा संकेत,संवाददाता

लखनऊ। युवाओं को अपना सपना पूरा करने में आर्थिक अभाव अब आड़े नहीं आएगा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दिलाया गया यह भरोसा अयोध्या की सोनम यादव जैसी युवाओं की सफलता से और मजबूत हुआ है। योगी सरकार की मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का लाभ लेकर यूपीपीसीएस-2024 में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) पद पर चयनित हुईं सोनम यादव आज प्रदेश के हजारों युवाओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं।

अभ्युदय योजना से मिली सफलता, अब निभा रहीं नई जिम्मेदारियां

अयोध्या जिले के मवई ब्लॉक स्थित हारिका पांडे का पुरवा, गड़ौरा गांव की रहने वाली सोनम यादव ने मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के मार्गदर्शन का लाभ लेकर यूपीपीसीएस-2024 में सफलता प्राप्त की थी। आज चयन के बाद उनके जीवन में जिम्मेदारियों का नया अध्याय शुरू हो चुका है।

सोनम बताती हैं कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें प्रशासनिक प्रक्रियाओं, कानून-व्यवस्था, राजस्व प्रशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आम जनता के साथ संवाद से जुड़े विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उनके अनुसार यह प्रशिक्षण उन्हें एक संवेदनशील, जिम्मेदार और जन केंद्रित प्रशासनिक अधिकारी के रूप में तैयार कर रहा है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ने दिखाई सफलता की राह

सोनम का कहना है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ने उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योजना के माध्यम से उन्हें गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और विषय विशेषज्ञों से सीखने का अवसर मिला। वह बताती हैं कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि सही दिशा और मार्गदर्शन भी आवश्यक होता है। अभ्युदय योजना के तहत मिले नियमित मार्गदर्शन, अध्ययन वातावरण और विशेषज्ञों के सहयोग ने उनकी तैयारी को नई दिशा दी तथा आत्मविश्वास को मजबूत किया।

योजना : बेटियों के लिए प्रेरणा बनीं सोनम यादव मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना से मिली दिशा

सीएम योगी के भरोसे से बढ़ा मनोबल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। युवाओं को अपना सपना पूरा करने में आर्थिक अभाव अब आड़े नहीं आएगा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दिलाया गया यह भरोसा अयोध्या की सोनम यादव जैसी युवाओं की सफलता से और मजबूत हुआ है। योगी सरकार की मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का लाभ लेकर यूपीपीसीएस-2024 में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) पद पर चयनित हुईं सोनम यादव आज प्रदेश के हजारों युवाओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं। वर्तमान में वह डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, लखनऊ में प्रशासनिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। सोनम यादव आज युवाओं और छात्राओं को यह संदेश देती हैं कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। वह विद्यार्थियों को स्पष्ट रणनीति, नियमित अध्ययन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह देती हैं। ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों और आर्थिक रूप से सीमित संसाधनों वाले विद्यार्थियों के लिए उनका संदेश है कि वे अपनी परिस्थितियों को अपने सपनों की सीमा न बनने दें। उनका मानना है कि मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

सोनम का कहना है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ने उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योजना के माध्यम से उन्हें गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और विषय विशेषज्ञों से सीखने का अवसर मिला। वह बताती हैं कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि सही दिशा और मार्गदर्शन भी आवश्यक होता है। अभ्युदय योजना के तहत मिले नियमित मार्गदर्शन, अध्ययन वातावरण और विशेषज्ञों के सहयोग ने उनकी तैयारी को नई दिशा दी तथा आत्मविश्वास को मजबूत किया।

सरकार की योजनाएं बन रहीं अवसर का माध्यम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की युवाओं और छात्राओं के लिए संचालित योजनाओं को सोनम अवसरों की समानता और युवा सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानती हैं। उनका कहना है कि शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, कौशल विकास और महिला सशक्तीकरण से जुड़ी योजनाएं प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर दे रही हैं। एक भावी प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उनकी प्राथमिकता पारदर्शी, संवेदनशील और जन केंद्रित प्रशासन सुनिश्चित करना होगी, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

अभ्युदय योजना से मिली सफलता, अब निभा रहीं नई जिम्मेदारियां

अयोध्या जिले के मवई ब्लॉक स्थित हारिका पांडे का पुरवा, गड़ौरा गांव की रहने वाली सोनम यादव ने मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के मार्गदर्शन का लाभ लेकर यूपीपीसीएस-2024 में सफलता प्राप्त की थी। आज चयन के बाद उनके जीवन में जिम्मेदारियों का नया अध्याय शुरू हो चुका है। सोनम बताती हैं कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें प्रशासनिक प्रक्रियाओं, कानून-व्यवस्था, राजस्व प्रशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आम जनता के साथ संवाद से जुड़े विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उनके अनुसार यह प्रशिक्षण उन्हें एक संवेदनशील, जिम्मेदार और जन केंद्रित प्रशासनिक अधिकारी के रूप में तैयार कर रहा है।

केरलम के पत्रकारों ने समझा यूपी का कानून-व्यवस्था मॉडल

- **पत्र सूचना कार्यालय, लखनऊ (पीआईबी) और उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'मीडिया संवाद' कार्यक्रम आयोजित।**
- **'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना के तहत केरलम और यूपी के मीडिया प्रतिनिधियों ने साझा किए अनुभव।**

तमसा संकेत, संवाददाता

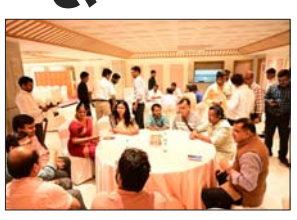

लखनऊ। पत्र सूचना कार्यालय, लखनऊ (पीआईबी) और उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में निदेशक सूचना विशाल सिंह और पीआईबी लखनऊ के निदेशक दिलीप कुमार शुक्ल के दिशा-निर्देशन में केरलम के मीडिया प्रतिनिधियों के साथ 'मीडिया संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों राज्यों के मीडिया प्रतिनिधियों के बीच आपसी संवाद, अनुभवों के आदान-प्रदान और एक-दूसरे की संस्कृति, विकास यात्रा तथा मीडिया कार्यप्रणाली को समझने के लिए मंच प्रदान करना था। संवाद के दौरान 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करने और दोनों राज्यों के बीच आपसी समझ एवं सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। गौरतलब है कि पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), लखनऊ के नेतृत्व में केरलम के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया संस्थानों के पत्रकारों का एक मीडिया प्रतिनिधिमंडल लखनऊ के दौरे पर है। मीडिया संवाद के दौरान केरलम के पत्रकारों ने उत्तर प्रदेश की संस्कृति, विकास, शासन व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। विशेष रूप से केरलम प्रतिनिधिमंडल ने यूपी में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था का मॉडल समझा। प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए किए गए ठोस प्रयासों की विस्तार से जानकारी ली।

परचून की दुकान के कुंडे तोड़कर चोरी

12-14 हजार का सामान ले गया चोर, सीसीटीवी में कैद

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

चोरी की घटना के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। गली के बाहर लगे कैमरे में संदिग्ध चोर कैद हो गया है। फुटेज में वह रात करीब दो बजे दुकान से सामान लेकर भागता हुआ दिखाई दे रहा है। इससे पहले वह काफी देर तक गली में घूमता नजर आया। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने में जुटी है।

आगरा। एत्माद्दौला थाना क्षेत्र में चोरों ने एक परचून की दुकान को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये का सामान और नगदी चोरी कर ली। घटना शुक्रवार तड़के करीब दो बजे नूनिहाई सब्जी मंडी स्थित जैन मंदिर वाली गली में हुई। चोर दुकान के कुंडे तोड़कर अंदर घुसा और सिगरेट समेत अन्य सामान तथा गल्ले में रखी नगदी लेकर फरार हो गया। चोरी की पूरी घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। चोर गली के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ है। जानकारी के अनुसार नूनिहाई सब्जी मंडी की जैन मंदिर वाली गली में सोनू की घर के बाहर ही परचून की दुकान है।

गुरुवार रात सोनू रोज की तरह दुकान बंद करके घर चले गए थे। इसके बाद देर रात करीब दो बजे एक चोर दुकान के आसपास पहुंचा। बताया जा रहा है कि दुकान में घुसने से पहले वह काफी देर तक गली में घूमता रहा और आसपास की स्थिति पर नजर रखता रहा। मौका मिलते ही उसने दुकान के कुंडे तोड़ दिए और अंदर घुस गया। चोर ने दुकान में रखे सामान को खंगाला और मुख्य रूप से सिगरेट के पैकेट तथा गल्ले में रखी दिनभर की बिक्री की रकम अपने कब्जे में ले ली। इसके बाद वह सामान लेकर मौके से फरार हो गया। रात में घटना होने के कारण आसपास के लोगों को इसकी जानकारी नहीं हो सकी।

सुबह टूटा मिला दुकान का कुंडा

शुक्रवार सुबह करीब छह बजे सोनू की मां सीमा देवी कूड़ा फेंकने के लिए घर से बाहर निकली थीं। इसी दौरान उनकी नजर दुकान पर पड़ी। दुकान के कुंडे टूटे देखकर उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी अपने बेटे सोनू को दी। सोनू ने मौके पर पहुंचकर दुकान के अंदर देखा तो सामान बिखरा हुआ था और गल्ले में रखी रकम भी गायब थी। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पीड़ित की ओर से पुलिस को लिखित शिकायत देकर चोरी की जानकारी दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

12 से 14 हजार रुपये का सामान और नगदी ले गया

पीड़ित सोनू के मुताबिक चोर करीब 12 से 14 हजार रुपये का सामान और नगदी चोरी कर ले गया है। चोरी किए गए सामान में अधिकांश सिगरेट शामिल हैं। इसके अलावा दुकान के गल्ले में दिनभर की बिक्री से जमा रकम भी रखी थी, जिसे चोर अपने साथ ले गया। चोरी के बाद दुकान का सामान अस्त-व्यस्त मिला। पुलिस का कहना है कि शिकायत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। फुटेज में दिखाई दे रहे संदिग्ध की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के अन्य कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि चोर के आने और जाने का रास्ता स्पष्ट हो सके और उसकी पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

रिश्तेदार बनकर सोने की चेन उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

बुजुर्ग को बातों में फंसाकर उतरवाई चेन, आरोपी पहले भी जा चुका है जेल

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के थाना ताजगंज क्षेत्र में सब्जी लेने आए एक व्यक्ति से खुद को रिश्तेदार बताकर सोने की चेन ठगने वाले शातिर टप्पेबाज़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से चोरी गई चैन, एक मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई है। बातों में उलझाकर वो बुजुर्ग को पास में गली में ले गया। वहां एक महिला मौजूद थी। उन्होंने कहाकि वो गांव में भागवत कथा करवा रहे हैं। कथा में व्यासजी को सोने की चेन देनी है। उनके गले में पड़ी चेन की डिजायन उन्हें अच्छी लगी है। इस बहाने बुजुर्ग से चेन उतरवा ली। बातों बातों में वो चेन लेकर फरार हो गए। । मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। ताजगंज पुलिस टीम व सर्विलांस सेल ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी (CCTV) कैमरों की जांच की और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की। मुखबिर की सूचना पर ताजगंज पुलिस टीम ने आरोपी को मंडी से अंदर जाने वाले रास्ते से दबोच लिया। आरोपी गंगाराम भार्गव सीतापुर का रहने वाला है। उसके खिलाफ पहले से ही धोखाधड़ी, गैंगस्टर एक्ट और टप्पेबाजी के 11 गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। यह आरोपी लखनऊ, कानपुर, उन्नाव और आगरा के विभिन्न थानों में वांछित रहा है।

डीसीपी सिटी अली अब्बास ने बताया कि 7 सितंबर को बुजुर्ग ने थाना ताजगंज पर शिकायत दर्ज कराई थी कि जब वह सुबह सब्जी लेने बाजार आए थे, तब एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास आया। उसने कहाकि उनके गांव का रहने वाला है। उनकी आपस में रिश्तेदारी है। उसकी पत्नी भी साथ आई है।

फास्ट न्यूज

शराबी पति ने देह व्यापार करने का दबाव बनाया

आगरा। आगरा पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र में रविवार को हैरान करने वाले मामला सामने आया। एक महिला ने अपने पति पर देह व्यापार में धकेलने का आरोप लगाया है। आरोप है कि तीन साल पहले उसकी शादी मथुरा के लोहवन निवासी युवक से हुई थी। शादी से पहले लड़के वालों ने बताया था कि लड़का अच्छी नौकरी करता है और खूब कमाता है।

अलीगढ़-बीएसए कार्यालय को आरटीआई में सूचना न देना पड़ा भारी

अलीगढ़। अलीगढ़ में अतरौली क्षेत्र के स्कूलों से जुड़ी RTI की जानकारी नहीं देना जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) कार्यालय के जन सूचना अधिकारी को भारी पड़ रहा है। अतरौली निवासी ने स्कूलों, विद्यार्थियों और अटैच शिक्षकों से जुड़ी जानकारी मांगी थी। अब आयोग ने जन सूचना अधिकारी को अंतिम मौका देते हुए 24 सितंबर 2026 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। कि अधिकारी पेश नहीं हुए या उनका जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो RTI एक्ट की धारा 20 के तहत जुर्माना और विभागीय कार्रवाई की जा सकती है।

जर्जर स्कूल को लेकर शिक्षक के निलंबित पर उठे सवाल

अलीगढ़। अलीगढ़ में दादों क्षेत्र के भमोरी खुर्द स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की जर्जर इमारत को लेकर शुरू हुआ विवाद अब शिक्षक के निलंबन तक पहुंच गया है। बुधवार को छात्रों और अभिभावकों ने स्कूल भवन की हालत को लेकर प्रदर्शन किया था। इसके बाद शिक्षा विभाग ने शिक्षक राजीव कुमार को निलंबित कर दिया। हालांकि, निलंबन आदेश और BSA के बयान में अलग-अलग वजह सामने आने से मामला उलझ गया है।

मुरादाबाद में मंडल स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता

रिंग में खिलाड़ियों के बीच टक्कर, पंच और बचाव के आधार पर हुआ मुकाबलों का फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद के नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में मंडल स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता हुई। इसमें मंडल के अलग-अलग जिलों से आए खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मुकाबलों के दौरान जीत के लिए खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। रिंग में खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल के साथ शानदार बचाव का प्रदर्शन किया। कई मुकाबले आखिरी दौर तक संघर्षपूर्ण रहे। एक-एक अंक के लिए खिलाड़ियों ने पूरा जोर लगाया। जजों ने पंच, तकनीक, बचाव और खेल भावना के आधार पर मुकाबलों का फैसला किया। प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगे होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए चुना गया। खिलाड़ियों ने

बताया कि ऐसे आयोजनों से उन्हें अपनी कमियां पहचानने और उनमें सुधार करने का मौका मिलता है। साथ ही बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी भी बेहतर होती है।

आयोजकों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि बॉक्सिंग में लगातार मेहनत और अनुशासन जरूरी है। इसके दम पर खिलाड़ी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बना सकते हैं। प्रतियोगिता के दौरान स्टेडियम में खिलाड़ी, कोच और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

बैंकिंग कामकाज ठप, 3 दिन तक नहीं होगा लेनदेन, 5 डे वर्किंग की मांग

आगरा में बैंककर्मी हड़ताल पर, 450 शाखाओं में ताले

- **हाथों में तख्तियां लेकर बैंक कर्मचारियों ने 5 डे वर्किंग की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।**
- **एसबीआई के प्रशासनिक कार्यालय पर हजारों की संख्या में बैंक कर्मियों ने प्रदर्शन किया।**

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में 5 डे वर्किंग समेत अन्य मांगों को लेकर बैंक कर्मचारी शुक्रवार को हड़ताल पर रहे। हड़ताल के चलते जिले की करीब 450 बैंक शाखाओं में

कामकाज पूरी तरह ठप रहा। बैंक में काम कराने पहुंचे ग्राहकों को बैरंग लौटना पड़ा। कैश जमा और निकासी, चेक क्लियरेंस, लोन से जुड़े काम समेत अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। हड़ताल के दौरान सुबह से ही संजय प्लेस स्थित SBI के प्रशासनिक कार्यालय पर बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारी जुटे। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। बैंक कर्मचारी मनोज शर्मा ने कहा कि उनकी प्रमुख मांग 5 डे वर्किंग की है। उनका आरोप है कि सरकार बैंक कर्मचारियों के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के अधिकांश विभागों में 5 दिन काम होता है। RBI में भी 5 डे वर्किंग है, ऐसे में बैंकों में इसे लागू क्यों नहीं किया जा रहा।

अब सोमवार को खुलेंगे बैंक

शुक्रवार 12 सितंबर को हड़ताल के बाद 13 सितंबर को सेकेंड सैटरडे और 14 सितंबर को रविवार है। ऐसे में बैंक लगातार तीन दिन बंद रहेंगे।

अब बैंक 15 सितंबर, सोमवार को खुलेंगे।

इस दौरान ग्राहकों को कैश की जरूरत के लिए ATM और ऑनलाइन लेनदेन के लिए UPI व नेट बैंकिंग पर निर्भर रहना पड़ेगा।

प्राइवेट बैंकों में कामकाज सामान्य

इस हड़ताल में निजी बैंक शामिल नहीं हैं। HDFC, ICICI और Axis Bank जैसी निजी बैंकों की शाखाओं में सामान्य रूप से कामकाज जारी रहेगा। वहीं सरकारी बैंकों में कैश जमा-निकासी, चेक क्लियरेंस और लोन समेत कई सेवाएं प्रभावित रहेंगी। जिले की 400 से ज्यादा शाखाओं में बैंकिंग कामकाज बंद रहा। उन्होंने कहा कि मांग पूरी होने तक कर्मचारियों की लड़ाई जारी रहेगी।

'राधा अंश' होगा नाम, सहमति लेने जल्द करेंगी मुलाकात, 'हनुमान अंश' से मिली प्रेरणा

संत प्रेमानंद महाराज पर फिल्म बनाएंगी हिमांगी

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। वैष्णव किन्नर अखाड़ा की जगद्गुरु शंकराचार्य हिमांगी सखी संत प्रेमानंद महाराज के जीवन पर फिल्म बनाएंगी। फिल्म का नाम 'राधा अंश' होगा। इसकी सहमति लेने के लिए वह जल्द ही संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात करेंगी। हिमांगी सखी ने बताया कि बाबा नीम करौरी महाराज के जीवन पर बनी फिल्म 'हनुमान अंश' देखकर वह प्रभावित हुईं। इसके बाद उन्होंने यह फैसला किया। हालांकि, अभी तक फिल्म को लेकर संत प्रेमानंद महाराज या उनके शिष्य से किसी तरह की कोई बातचीत नहीं हुई है। दरअसल, हिमांगी सखी बुधवार को धार्मिक यात्रा पर वृंदावन पहुंचीं। यहां संवाददाता से बातचीत में उन्होंने कहा-संत प्रेमानंद महाराज राधारानी के अंश के रूप में नजर आते हैं। इसलिए मैं उन पर

जगद्गुरु शंकराचार्य हिमांगी सखी ने बताया- बाबा नीम करौरी महाराज के जीवन पर बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने पूरे विश्व को राममय और हनुमानमय बना दिया है। इसलिए मेरे मन में विचार आया कि विश्व को राधा नाम से जोड़ा जाए।

हिमांगी सखी ने कहा-राम मंदिर ट्रस्ट में किन्नर अखाड़े के किसी धर्मगुरु को कोषाध्यक्ष बनाया जाना चाहिए था।

फिल्म बनाना चाहती हूं। 'राधा अंश' फिल्म को लेकर मेरी फिल्म मेकर टीम से बात हुई है और उन्होंने सहमति दी है। अब जल्द ही संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात करूंगी। उनका परिकर जिसे कास्ट करने के लिए कहेगा, उन्हें फिल्म में रखा जाएगा। मैं बचपन से ब्रज में रही हूं। मेरा बचपन कुंज गलियों में बीता है और मेरा हृदय पूरा राधामय है। अभी यह मेरा निजी विचार है। संत प्रेमानंद महाराज से अभी मेरी मुलाकात नहीं हुई है। उनकी सहमति मिलने के बाद बहुत जल्द फिल्म का प्रोमो तैयार किया जाएगा। VHP के महाराष्ट्र में गरबा में मुस्लिमों के शामिल न होने वाले बयान पर विवाद को लेकर हिमांगी सखी ने कहा- इसका समर्थन करती हूं। जब मुस्लिमों की ईद होती है या ताजिया होता है, तो हिंदू कभी उसमें सम्मिलित नहीं होता। उसका सम्मान जरूर करता है। इसी तरह गरबा आता है तो भक्त माता रानी की आराधना करते हैं और गरबा खेलते हैं। गरबा का अपना महत्व है, उस महत्व को जानना जरूरी है। बिना जाने आप गरबा कैसे खेल पाएंगे? गरबा कोई नृत्य नहीं है। मुस्लिम भाई-बहनों को गरबा में एंट्री नहीं करनी चाहिए।

एमआईटी में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में एकजुट हुए शिक्षाविद

फार्मा क्षेत्र में रिसर्च और इनोवेशन से विकसित भारत का लक्ष्य होगा साका

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एकेटीयू लखनऊ के सहयोग से मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में शुक्रवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ हुआ। "इनोवेशन, रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप इन फार्मा फॉर विकसित भारत 2047" विषय पर आयोजित कांफ्रेंस में उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के शोधकर्ताओं ने प्रतिभाग किया। कांफ्रेंस में कुल 40 शोध पत्र प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जिनमें पहले दिन 22 शोध पत्रों पर विशेषज्ञों ने चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीआरडीओ के डायरेक्टर जनरल रिसोर्स एंड मैनेजमेंट डॉ. रविंद्र कुमार, सीसीएसयू के डॉ. एसके शर्मा, एमआईटी निदेशक डॉ. केएलए खान, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु

शर्मा और फार्मेसी प्रिंसिपल डॉ. नीरज कांत शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि डॉ. रविंद्र कुमार ने कहा कि भारत अब केवल जेनेरिक दवाओं के उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि फार्मा इनोवेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केवल जेनेरिक दवाओं की सफलता पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। देश को नए फार्मास्युटिकल उत्पाद विकसित करने, रिसर्च को बढ़ावा देने और नवाचारों को पेटेंट कराने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने फार्मा कंपनियों से रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर निवेश बढ़ाने और अपने नवीन उत्पादों के विकास एवं पेटेंट पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। साथ ही सरकार की ओर से आरएंडडी और इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। कांफ्रेंस के पहले दिन एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा के डॉ. रूपेश कुमार गौतम और लॉयड इंस्टीट्यूट, ग्रेटर नोएडा के डॉ. आशीष कुमार पराशर ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शोधार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने फार्मा क्षेत्र में नवीन अनुसंधान, तकनीकी विकास और उद्यमिता की संभावनाओं पर विचार साझा किए।

पृष्ठ 01 का शेष...

'ब्रिक्स की बढ़ती ...

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के मुताबिक, PPP के आधार पर ब्रिक्स की हिस्सेदारी दुनिया की अर्थव्यवस्था में करीब 40% है, जबकि G7 की 18%। यानी आर्थिक आकार में ब्रिक्स आगे है। हालांकि G7 को कमजोर नहीं माना जा सकता। डॉलर, बैंकिंग, निवेश और तकनीक में उसका प्रभाव अब भी बड़ा है। दूसरी तरफ ब्रिक्स की ताकत बड़ी आबादी, प्राकृतिक संसाधन और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं। प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भारत मंडपम में 45 मिनट बैठक हुई। इसके बाद दोनों नेता एक ही कार से इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन पहुंचे। बैठक में भारत-रूस रिश्तों के साथ मिडिल ईस्ट और ब्लैक सी के हालात पर चर्चा हुई। पुतिन ने मोदी को 24वें भारत-रूस समिट के लिए रूस आने का न्योता दिया, जिसे PM ने स्वीकार कर लिया। प्रधानमंत्री मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजश-कियान की द्विपक्षीय बैठक शुरू हो गई है। दोनों नेताओं के बीच भारत-ईरान संबंधों और आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो रही है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम BRICS समिट 2026 में शामिल होने के लिए भारत पहुंच गए हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा ने भारत की BRICS अध्यक्षता की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता शानदार और बेहद सफल रही और इस दौरान काफी काम हुआ। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान BRICS समिट 2026 में शामिल होने के लिए भारत पहुंच गए हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने BRICS बिजनेस फोरम में सभी देशों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस साल BRICS की शुरुआत के 20 साल पूरे हो रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा कि अफ्रीका सिर्फ दुनिया को अपने खनिज देता रहे और बदले में उसे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निवेश न मिले, ऐसा नहीं चल सकता। दिल्ली में BRICS बिजनेस फोरम में बोलते हुए उन्होंने अफ्रीकी देशों में ज्यादा निवेश और BRICS देशों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी की जरूरत बताई।

हैदराबाद में सेना के ...

इसीलिए जांच टीम को शुरुआत से ही शक था कि यह मामला 'इनसाइड जॉब' है। यानी कि वारदात में कैंटोनमेंट के अंदर का कोई कर्मचारी शामिल था। जांच में स्थानीय पुलिस, सैन्य खुफिया और केंद्रीय एजेंसियों को शामिल किया गया। शुरू में 10 कर्मियों से पूछताछ की गई, जिसके बाद मुख्य संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित किया गया।एक कर्मचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई और इस तरह चोरी का खुलासा हो गया। आरोपी की शिनाख्त पर हैदराबाद की एक जगह से ये सभी हथियार जब्त कर लिए गए। जांच टीम अब हथियारों को ले जाने, उन्हें छिपाने, हथियारों के खरीददार समेत इस पूरे नेटवर्क में शामिल लोगों की तलाश में जुटी है। सेना के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस मामले में जल्द ही अधिकारी मीडिया को विस्तृत रिपोर्ट देंगे।

बारिश से खराब ...

इसलिए सड़कों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए और बारिश से नए क्षतिग्रस्त मार्गों का भी सर्वे कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी पर्व-त्यो-हारों में बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होगा। ऐसे में प्रमुख मार्गों पर आवागमन में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पर्वों से पहले आवश्यक मरम्मत और नवीनीकरण के काम पूरे करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गड्ढामुक्ति का काम केवल पैचवर्क तक सीमित न रहे। जहां सड़क तत्काल खराब स्थिति में है, वहां उसे अभी मोटरेबल बनाया जाए और बरसात समाप्त होने के बाद जरूरत के अनुसार स्थायी नवीनीकरण कराया जाए। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों से भी उनकी कार्ययोजना की जानकारी ली। साथ ही मंडी परिषद, पंचायती राज, सिंचाई, ग्राम्य विकास, नगर विकास, आवास एवं शहरी नियोजन तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग की कार्ययोजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ काम करने पर जोर दिया। विभाग के प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि गड्ढामुक्ति अभियान में 09 विभागों के मार्ग शामिल हैं। इन विभागों के अधीन करीब 4.36 लाख किलोमीटर सड़कें हैं। वर्तमान लक्ष्य के तहत करीब 50 हजार किलोमीटर मार्गों को गड्ढामुक्त किया जाना है, जिसमें अब तक करीब 5,751 किलोमीटर पर काम पूरा किया जा चुका है। क्षतिग्रस्त मार्गों के सर्वे के बाद विभागवार लक्ष्य को अंतिम रूप दिया जाएगा। नवीनीकरण और विशेष मरम्मत के कार्यों की भी समीक्षा की गई। विभाग के अनुसार नवीनीकरण के लिए करीब 30 हजार किलोमीटर और विशेष मरम्मत के लिए करीब 5 हजार किलोमीटर का लक्ष्य रखा गया है। अब तक नवीनीकरण में करीब 14 हजार किलोमीटर और विशेष मरम्मत में करीब 700 किलोमीटर की प्रगति बताई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन से सीधे जुड़ी है। शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, मुख्य बाजारों, सरकारी कार्यालयों और ऐसे अन्य स्थानों, जहां आमजन का आवागमन अधिक रहता है, वहां की सड़कों को प्राथमिकता पर लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन मार्गों पर तत्काल काम शुरू कराया जाए और जहां मरम्मत की जरूरत है, वहां बिना देरी किए सड़क को आवागमन योग्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि काम में तेजी के साथ गुणवत्ता का भी पूरा ध्यान रखा जाए। बैठक में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर, राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग ब्रजेश सिंह, राज्य मंत्री औद्योगिक विकास विभाग जसवंत सिंह सैनी, राज्य मंत्री जल शक्ति रामकेश निषाद तथा राज्य मंत्री ग्राम्य विकास विजय लक्ष्मी गौतम उपस्थित रहे।

शिक्षा व्यवस्था से ...

राहुल ने यह बात छात्रों की गूंज के 8 दिन पहले की है। इसका आयोजन 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर में होगा। अब तक तक कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में 4 कार्यक्रम कर चुके हैं। इंदौर में कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और प्रशासन के बीच अनुमति का मुद्दा बना हुआ है। कांग्रेस पिछले 11 दिन से अनुमति के लिए प्रयास कर रही है। इसके लिए कलेक्टर, नगर निगम, पुलिस और इंदौर विकास प्राधिकरण के स्तर पर आवेदन और प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस का कहना है कि अनुमति मिले या नहीं, कार्यक्रम होकर रहेगा। वहीं प्रशासन का कहना है कि अनुमति निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया और सुरक्षा व्यवस्था के आधार पर दी जाएगी। देहरादून के बन्नू स्कूल ग्राउंड में आयोजित कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की थी।

बैंक में कर्मचारियों ...

इसी दौरान गश्त कर रहे बीट मार्शल और पुलिसकर्मियों ने भी आरोपी को भागते देखा और उसके पीछे दौड़ पड़े। बैंक कर्मचारियों और पुलिस की मदद से आरोपी को करीब 30 मिनट के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 28 साल के सूरज भोजराज बोरकर के रूप में हुई है। वह नागपुर ग्रामीण के भिवापुर तहसील के तातोली गांव का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, सूरज B.Sc. ग्रेजुएट है और फिलहाल बेरोजगार है। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि नौकरी नहीं मिलने और आर्थिक परेशानी के चलते उसने लूट की होगी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में पता लगाया जा रहा है कि उसने अकेले वारदात की या कोई और भी शामिल था। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसे कैश की जानकारी कैसे मिली।

बोले- दो महीने के ब्रेक से शरीर सुस्त पड़ा, श्रीलंका में रन-अप बिगड़ गया था

दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल से सिराज की लय लौटी

वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

चेन्नई में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने के बाद उनकी लय और रफ्तार वापस आ गई है। सिराज ने बताया कि 8 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट खत्म होने के बाद उन्होंने दो महीने का ब्रेक लिया था।

ब्रेक के बाद शरीर सुस्त महसूस कर रहा था, जिसका असर श्रीलंका दौरे पर रन-अप और गेंदबाजी की रफ्तार पर पड़ा था। सिराज ने कहा

दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे

श्रीलंका मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर गेंदबाज हूं। अगर मेरा तालमेल सही नहीं होता, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं निकाल पाता।

श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज में सिराज करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे, जबकि उनकी सामान्य रफ्तार 140 से 145 किलोमीटर प्रति घंटे रहती है। उन्होंने श्रीलंका दौरे पर चार पारियों में 44 ओवर गेंदबाजी की और 4 विकेट लिए। हालांकि, इस दौरान वह अपनी सामान्य रफ्तार और लय में नजर नहीं आए।

> सिराज ने कहा, मेरा शरीर लंबे ब्रेक को अच्छी तरह नहीं अपना पाता। छोटा ब्रेक ठीक है, लेकिन 10 साल के करियर में मैंने कभी दो महीने का पूरा ब्रेक नहीं लिया था। उन्होंने कहा, मैं जितने ज्यादा ओवर करता हूं, उतना बेहतर होता जाता हूं। अगर मैं लंबे स्पेल नहीं करूंगा, तो मेरी लय वापस नहीं आएगी।

41 ओवर के स्पेल से लय वापस आई

सिराज ने कहा कि चेपॉक में दलीप ट्रॉफी फाइनल के दौरान 41 ओवर गेंदबाजी करने से उन्हें काफी फायदा हुआ। उन्होंने कहा, यहां सब कुछ अपनी जगह पर आ गया और रफ्तार अपने आप लौट आई। यह बहुत मुश्किल था। हम श्रीलंका से सीधे आए थे। उन्होंने आगे कहा, दूसरे टेस्ट में हमने साढ़े तीन दिन फील्डिंग की थी। इसके एक हफ्ते के भीतर हम चेन्नई की तेज गर्मी में खेल रहे थे। लेकिन मेरे लिए बात जुनून की है। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो बहाने नहीं बना सकते। आपको अपनी टीम और देश के लिए पूरी ताकत लगानी होती है।

पहली पारी में 25 ओवर, 140 रन दिए

दलीप ट्रॉफी फाइनल की पहली पारी में ईस्ट जोन के बल्लेबाजों ने सिराज के खिलाफ तेजी से रन बनाए। उन्होंने 25 ओवर में 140 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। हालांकि, सिराज ने कहा कि पहली पारी में विकेट नहीं मिलने से वह ज्यादा चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, भले ही आज मेरे खाते में विकेट नहीं आए, लेकिन यह मेहनत इंटरनेशनल लेवल पर काम आएगी।

सिराज के लिए दलीप ट्रॉफी खेलने का मुख्य लक्ष्य विकेट लेना नहीं, बल्कि अपनी लय हासिल करना था। उन्होंने कहा, इस मैच से पहले मेरा मुख्य लक्ष्य अपना फ्लो हासिल करना था। यह मैच मेरे लिए बहुत फायदेमंद रहा।

उन्होंने आगे कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद शरीर पहले की तरह रिएक्ट नहीं करता। हर चीज थोड़ी धीमी लगती है। इस मैच को पूरा करने से मेरा शरीर फिर चलने लगा और मेरी लय वापस आ गई।

गीत सेठी 65 की उम्र में बिलियर्ड्स में लौटेंगे

छह साल बाद इंग्लैंड में वर्ल्ड चैंपियनशिप खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्यू स्पोर्ट्स दिग्गज गीत सेठी 65 साल की उम्र में बिलियर्ड्स में वापसी करने जा रहे हैं। वे अगले महीने 19 से 22 अक्टूबर तक इंग्लैंड के ग्रेट वाईर्ली में वर्ल्ड बिलियर्ड्स चैंपियनशिप खेलेंगे। यह छह साल बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनकी वापसी होगी। अहमदाबाद में रहने वाले सेठी ने 1974 में पहली बार क्यू थामा था। वे 2018 की चैंपियनशिप के नॉकआउट स्टेज तक पहुंचे थे। सेठी मानते हैं कि उनकी उम्र उनके चेहरे से नजर नहीं आती। उन्होंने हंसते हुए कहा, मैं उम्र का नहीं दिखता, लेकिन महसूस अपनी उम्र का ही करता हूं।

सेठी की वापसी की कहानी इस साल की शुरुआत में शुरू हुई। उनके साथी और पूर्व क्यू खिलाड़ी अशोक शांडिल्य ने उन्हें मुंबई के दादर में हुई क्यू स्पोर्ट्स लीग खेलने के लिए तैयार किया। सेठी ने कहा, मैंने उस टूर्नामेंट में बिना ज्यादा अभ्यास के हिस्सा लिया। लेकिन बहुत मजा आया। घर लौटने के बाद मैंने खुद से कहा, 'शुरू करते हैं। थोड़ा-सा ही खेलता हूं। गीत सेठी भारत के सबसे सफल बिलियर्ड्स खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने प्रोफेशनल लेवल पर 5 बार वर्ल्ड बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीती। सेठी ने 1992, 1993, 1995, 1998 और 2006 में वर्ल्ड प्रोफेशनल बिलियर्ड्स चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

भारत 10वीं बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में

बांग्लादेश को 40 रन से हराया

दुबई, एजेंसी

भारत 10वीं बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में पहुंच गया है। टीम ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 40 रन से हराया। भारत 4 बार वनडे और अब छठी बार टी-20 फॉर्मेट के फाइनल में पहुंचा है। वनडे के चारों फाइनल भारत ने जीते हैं। टी-20 में टीम 2012, 2016 और 2022 में चैंपियन बनी, जबकि 2018 और 2024 में रनर-अप रही थी।

दुबई में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 149 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 40 गेंद पर 64 रन की पारी खेली। उन्होंने 7 चौके और 3 छक्के लगाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर 24 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऋचा घोष ने 21 रन बनाए।

150 रन के जवाब में बांग्लादेश की टीम 7 विकेट पर 109 रन ही बना सकी। दीप्ति शर्मा ने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। नंदनी शर्मा को आखिरी ओवर में 2 विकेट मिले।

फाइनल 13 सितंबर को रात 8 बजे से दुबई में खेला जाएगा। भारत का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में 11 सितंबर को श्रीलंका और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे।

शेफाली वर्मा को 64 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 160 की स्ट्राइक रेट से बैटिंग की।

रायबकिना से खिताबी मुकाबला, जीती तो सेरेना-क्रिस एवर्ट की बराबरी करेंगी

सबालेंका यूएस ओपन फाइनल में लगातार तीसरे खिताब की तलाश

नई दिल्ली, एजेंसी

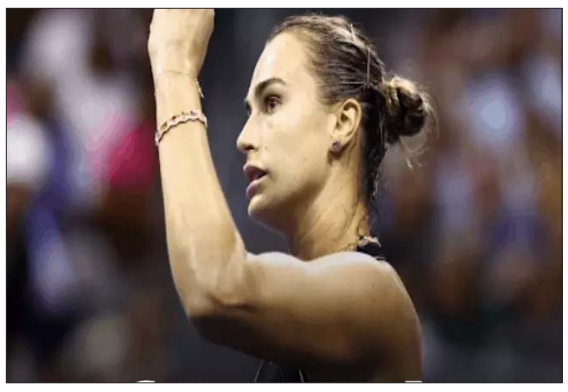

बेलारूस की आर्यना सबालेंका और कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने US ओपन महिला सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने गुरुवार को न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराया। वहीं, रायबकिना ने अमेरिका की कोको गॉफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। गॉफ ने पहला सेट जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन रायबकिना ने लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह सबालेंका का US ओपन में लगातार चौथा फाइनल है। वह 2023 में भी खिताबी मुकाबले तक पहुंची थीं, लेकिन कोको गॉफ से हार गई थीं। इसके बाद उन्होंने 2024 और 2025 में लगातार खिताब जीते। अब शनिवार को जीत उन्हें न्यूयॉर्क में लगातार तीन खिताब जीतने वाली दूसरी महिला खिलाड़ी बना देगी, जिसने ओपन एरा में यह उपलब्धि हासिल की है।

पहले सेट में एक समय स्कोर 6-5 तक पहुंच गया था। इसके बाद सबालेंका ने लगातार दबाव बनाया और 0-40 की बढ़त हासिल कर ली और पहला सेट 7-5 से जीत लिया।

दूसरे सेट में सबालेंका ने शुरू से दबदबा बनाए रखा और 3-1 की बढ़त बना ली और दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम किया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा, ‘मैं बेहद खुश हूं कि इस स्तर का टेनिस खेल सकी। मैं जीतने के लिए बहुत बेताब थी। मैं इसे बेहद चाहती थी। गॉफ ने शुरुआत में मजबूत खेल दिखाते हुए पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया।

> इस जीत के साथ सबालेंका की यूएस ओपन में लगातार जीत का सिलसिला 19 मैचों का हो गया। वह 2023 के फाइनल में गॉफ से हारने के बाद से इस टूर्नामेंट में अजेय हैं।

सेमीफाइनल के बाद सबालेंका और पेगुला एक-दूसरे को गले लगाते हुए।

सबालेंका के पास सेरेना और एवर्ट की बराबरी का मौका

शनिवार को जीत दर्ज करते ही सबालेंका ओपन ऐरा में लगातार तीन US ओपन खिताब जीतने वाली खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जाएंगी। सेरेना विलियम्स ने 2012 से 2014 तक लगातार तीन US ओपन खिताब जीते थे, जबकि क्रिस एवर्ट ने 1975 से 1978 के बीच लगातार चार बार यह ट्रॉफी अपने नाम की थी।

ओपन ऐरा की शुरुआत 1968 में हुई थी। इसके बाद पहली बार प्रोफेशनल खिलाड़ियों को ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में खेलने की अनुमति मिली थी।

मनोरंजन

सनग्लासेस और फेस मास्क में दिखे एक्टर सिक्योरिटी और पुलिसकर्मी से मिलाया हाथ

रणवीर सिंह ने चेहरा छिपाकर एयरपोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली। रणवीर सिंह शुक्रवार सुबह एयरपोर्ट पहुंचे। उनकी अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' के लिए अपनाया गया नया रफ लुक चर्चा में रहा। एक्टर ने ढीली टी-शर्ट, बैगी पैंट, बीनी, स्टेटमेंट सनग्लासेस और फेस मास्क से अपना लुक काफी हद तक छिपा रखा था। कार से उतरते ही पैपराजी ने उनकी तस्वीरें लेना शुरू कर दिया। अंदर जाने से पहले रणवीर ने सिक्योरिटी स्टाफ का अभिवादन किया और वहां मौजूद गार्ड्स से हाथ मिलाया। उन्होंने एंट्री पर तैनात पुलिसकर्मी से भी हाथ मिलाया।

इसके बाद रणवीर पैपराजी के पास रुके। पैपराजी के 'प्रलय' के नारे लगाने पर उन्होंने भी उत्साह के साथ प्रतिक्रिया दी। 'प्रलय' के सेट से सामने आए वीडियो और तस्वीरों में रणवीर सिंह लंबे बालों वाले लुक में दिखाई दे रहे थे। उनकी पीठ पर एक बच्चा नजर आया था। हालांकि, फिल्म में उनके किरदार और बच्चे के बीच संबंध को लेकर मेकर्स की ओर से अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई थी।

फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह ने हमजा अली मजारी नाम के एक अंडरकवर भारतीय जासूस का किरदार निभाया है। फिल्म में बाद में खुलासा होता है कि उसका असली नाम जसकीरत सिंह रांगी है।

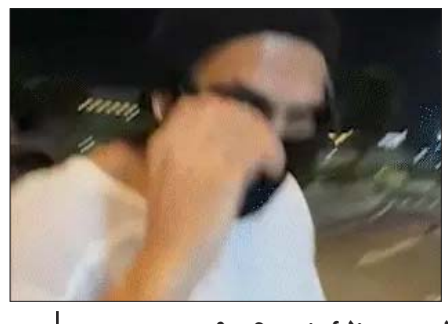

> 'प्रलय' की शूटिंग मुंबई में अगस्त से शुरू हो चुकी है। फिल्म को सर्वाइवल और पोस्ट-एपोकैलिप्टिक थ्रिलर बताया गया है, जबकि हालिया रिपोर्टों में इसे जॉम्बी एक्शन थ्रिलर भी कहा गया है। फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं।

फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह ने हमजा अली मजारी नाम के एक अंडरकवर भारतीय जासूस का किरदार निभाया है। फिल्म में बाद में खुलासा होता है कि उसका असली नाम जसकीरत सिंह रांगी है।

'प्रलय' के सेट से रणवीर का पहला लुक सामने आया था

बता दें कि हाल ही में मुंबई में चल रही शूटिंग से फिल्म प्रलय से रणवीर का पहला लुक सामने आया था। लंबे बालों में नजर आ रहे रणवीर की पीठ पर एक बच्चा भी दिखाई दे रहा था। फिल्म में रणवीर के साथ कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आएंगी। सामने आए वीडियो में रणवीर सिंह के साथ अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आ रही थीं।

रणवीर सिंह की निजी जिंदगी भी इन दिनों चर्चा में है। रणवीर और दीपिका पादुकोण दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। वहीं, मंगलवार को कपल ने फैमिली फोटोशूट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की थीं।

बिपाशा बसु की प्रोटीन ड्रिंक में दिखे कीड़े तुकाराम मुंढे से मांगी मदद

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस बिपाशा बसु को प्रोटीन पाउडर के नए खुले जार में छोटे-छोटे कीड़े मिले हैं। उन्होंने इसका वीडियो इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया। बिपाशा ने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर तुकाराम मुंढे को टैग किया और मामले में दखल देने की अपील की।

बिपाशा ने लिखा ड्रिंक के वीडियो के साथ लिखा है, 'तुकाराम मुंढे आप ही हमारी एकमात्र उम्मीद हैं। ताकि हम जो भी चीजें खरीदें, उनमें खराब या मिलावटी सामान न मिले।' वीडियो में बिपाशा ने अपनी उंगली पर एक छोटा सा कीड़ा दिखाया। उन्होंने कहा, 'इस आइसोप्योर में छोटे-छोटे कीड़े भरे हुए हैं। बहुत ही छोटे कीड़े। यह नया डिब्बा है, जिसे हमने अभी खोला है।' इसके बाद उन्होंने उंगली पर कीड़ा दिखाते हुए कहा, 'ये रहे कीड़े, इसमें ऐसे ही कीड़े भरे हुए हैं।' महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी को लेकर लोगों का ध्यान बढ़ रहा है। तुकाराम मुंढे राज्यभर में फूड बिजनेस के खिलाफ कई तरह की जांच और कार्रवाई कर रहे हैं।

श्वेता तिवारी ने हाल ही में ऑनलाइन एनर्जी ड्रिंक ऑर्डर की थी। जब ऑर्डर खोला गया, तो उसमें कॉकरोच मिलने से एक्ट्रेस घबरा गईं। एक्ट्रेस ने वीडियो जारी कर महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी कार्रवाई से चर्चा में बने हुए FDA ऑफिसर तुकाराम मुंढे से सवाल किया है। ऑफिशियल इंस्टाग्राम से शेयर किए गए वीडियो में श्वेता तिवारी ने कहा, 'हमने इंस्टामार्ट से रेडबुल मंगवाया। लेकिन इंस्टामार्ट से हमारे घर में ये (कॉकरोच) भी आया। कॉकरोच पूरे घर में भाग रहा है।'

2 महीने पहले हुई थी गिरफ्तारी, 16 साल की लड़की से छेड़छाड़-मारपीट का आरोप, चार्जशीट में धर्म-पेशा गलत

पॉक्सो केस में रोहित चंदेल जेल से रिहा

नई दिल्ली, एजेंसी

'पांड्या स्टोर' और सैराब जैसे पॉपुलर शोज फेम एक्टर रोहित चंदेल को POCSO केस में जमानत मिल गई है। उन पर 16 साल की लड़की का पीछा करने, बार-बार फोन करने, परेशान करने और मारपीट करने का आरोप है। मुंबई पुलिस ने उन्हें जुलाई में गिरफ्तार किया था।

रोहित चंदेल पर प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट यानी POCSO के तहत केस दर्ज है। वह करीब दो महीने से जेल में थे।

एक्टर रोहित चंदेल को पांड्या स्टोरी और सैराब जैसे पॉपुलर टीवी शोज के लिए जाना जाता है।

एक्टर के वकील ने कहा था कि सरकारी कागजात में हुई गलतियों का केस पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। हालांकि, 22 जुलाई को

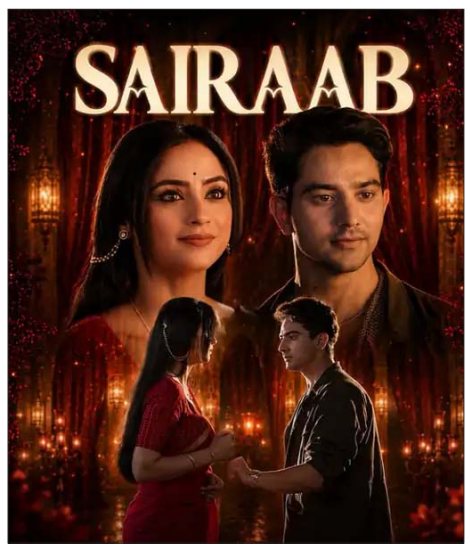

रोहित चंदेल की दूसरी जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी। इसके बाद 16 साल की शिकायतकर्ता ने ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने अपना बयान दर्ज कराया था। रोहित के खिलाफ 10 जुलाई को पॉक्सो एक्ट (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज) के तहत शिकायत दर्ज हुई थी।

10 जुलाई को ही उन्हें दहिसर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया। फिलहाल एक्टर कस्टडी में हैं।

शुक्रवार को मुंबई के पूर्वी उपनगर की रहने वाली नाबालिग की शिकायत मिलने पर पंत नगर पुलिस स्टेशन ने एक्टर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 78 (पीछा करना) और 115(2) (चोट पहुंचाने का इरादा) भी लगाई हैं।

एक्टर पर आरोप हैं कि वह नाबालिग लड़की को अपने नंबर से कॉल कर बार-बार परेशान कर रहे थे। नाबालिग ने उनका फोन उठाना बंद किया, तो एक्टर दूसरे नंबर से बार-बार कॉल कर परेशान करने लगे।

चार्जशीट में पेशे और धर्म की जानकारी गलत

रोहित चंदेल को पहले जमानत मिलने में मुश्किल हुई थी। केस के कागजात में कुछ गड़बड़ियां सामने आई थीं। खबरों के मुताबिक, दस्तावेजों में उनके पेशे को एक्टर की जगह गलत तरीके से बिजनेसमैन बताया गया था। चार्जशीट में उनका धर्म भी गलत दर्ज किया गया था। उनके मेडिकल रिकॉर्ड में भी गलती थी। उसमें उनकी वैवाहिक स्थिति मैरिड लिखी गई थी, जबकि रोहित चंदेल ने खुद को अविवाहित बताया है।

विस्फोट के बाद 4.1 तीव्रता का भूकंप आया ■ नेतन्याहू बोले- मिशन पूरा, हैप्पी न्यू ईयर

इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह की 2 केएम लंबी सुरंग उड़ाई

तबाही

बेरूत, एजेंसी

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह की 2 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सुरंग को ब्लास्ट कर तबाह कर दिया। ब्लास्ट के लिए करीब 1100 टन विस्फोटक इस्तेमाल किया गया था।

यह विस्फोट इतना तेज था कि इलाके में 4.1 तीव्रता वाले भूकंप जैसे झटके महसूस किए गए।

लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक, धमाके से आसपास के इलाकों में जमीन हिलने लगी। इस हमले के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, 'मिशन पूरा हुआ। हैप्पी न्यू ईयर।'

इजराइली सेना के मुताबिक, सुरंग में ईरान में बने कई रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन रखे थे। यहां मशीनगन, एंटी-टैंक मिसाइल और सैकड़ों बारूदी सुरंगें व विस्फोटक भी मिले। सेना ने बताया कि इस परिसर में हिजबुल्लाह की 'बद्र' यूनिट का कमांड सेंटर भी था।

हिजबुल्लाह की 'बद्र' यूनिट दक्षिणी लेबनान में संगठन की सबसे अहम सैन्य इकाइयों में से एक है। यह लिटानी नदी के उत्तर के इलाके में सक्रिय है।

यूनिट का नाम 624 ईस्वी की बद्र की लड़ाई से लिया गया है। यह पैगंबर मुहम्मद के नेतृत्व वाली सेना और मक्का के कुरैश के बीच हुई थी। इजराइल ने पिछले कुछ दिनों में दक्षिणी लेबनान में फिर से हमले तेज किए हैं। जून में ईरान और अमेरिका की बातचीत के बाद इजराइल-लेबनान में समझौता हुआ था। इस समझौते के बाद कुछ समय के लिए हमले रुक गए थे।

इस टनल नेटवर्क को बनाने में 20 साल लगे थे

नेतन्याहू के मुताबिक इस टनल नेटवर्क को बनाने में लगभग 20 साल लगे थे। इसके लिए ईरान ने फंडिग की थी। इजराइली रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने इसे आतंकी नेटवर्क बताया।

इजराइल का कहना है कि इस इलाके जमीन के ऊपर और नीचे दोनों जगह उसका कंट्रोल हो गया है। पिछले हफ्ते इजराइल ने दावा किया था कि उसने इलाके पर कब्जा कर लिया है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक हिजबुल्लाह के कई लड़ाकों को हवाई हमलों में मार गिराया गया था, जबकि कुछ भाग निकले थे।

टनल में घुसे थे आईडीएफ सैनिक, तलाशी का फुटेज जारी किया

इजराइली सेना (IDF) ने अली अल-ताहेर पहाड़ी के नीचे बने हिजबुल्लाह के टनल नेटवर्क का फुटेज जारी किया है। वीडियो में सैनिक सुरंगों के अंदर तलाशी लेते नजर आ रहे हैं। IDF के मुताबिक, जून में सीजफायर के बाद से यहां करीब 50 हिजबुल्लाह लड़ाके छिपे हुए थे।

AFP के मुताबिक, बातचीत के दौरान अमेरिका ने प्रस्ताव दिया था कि अली अल-ताहेर पहाड़ी का कंट्रोल लेबनान की सेना को दिया जाए। हालांकि हिजबुल्लाह ने इसे नकार दिया था।

■ फुटेज में इजराइली सैनिक टनल के भीतर तलाशी करते नजर आ रहे हैं।

लेबनान के अधिकारियों के मुताबिक, मार्च से अब तक इजराइली हमलों में 4300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान के एक हिस्से में बनाए गए सिक्योरिटी जोन में अभी भी मौजूद है।

गणेश उत्सव पर पुणे में 10 दिन शराबबंदी पर हाईकोर्ट सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी

गणेश उत्सव के दौरान पुणे में 10 दिन तक शराब की बिक्री पर रोक लगाने के फैसले को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पुणे प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने सवाल किया कि पूरे महाराष्ट्र में सिर्फ पुणे को ही शराबबंदी के लिए क्यों चुना गया। कोर्ट ने कहा कि इस तरह का व्यापक प्रतिबंध मनमाना है और इससे पुणे के लोगों पर गलत छवि बनती है। अदालत ने प्रशासन से आदेश वापस लेने को कहा, वरना उचित न्यायिक आदेश पारित करने की चेतावनी दी। मुख्य न्यायाधीश एमसी त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ होटल मालिकों और वाइन शॉप मालिकों के संगठनों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाओं में पुणे कलेक्टर के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसके तहत 14 सितंबर से शुरू होने वाले 10 दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान शराब की बिक्री पर रोक लगाई गई है। अदालत ने पूछा कि जब मुंबई और महाराष्ट्र के दूसरे इलाकों में ऐसी रोक नहीं लगाई गई, तो सिर्फ पुणे को क्यों चुना गया। अदालत ने कहा कि केवल एक जिले में इस तरह का प्रतिबंध लगाना पुणे के निवासियों के लिए एक तरह का कलंक है। पीठ ने सवाल किया कि क्या प्रशासन यह दिखाना चाहता है कि शराब पीने के बाद केवल पुणे के लोग ही गलत व्यवहार करते हैं। कोर्ट ने साफ कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है, लेकिन इसके लिए पूरे जिले में शराब की बिक्री पर 10 दिन की रोक लगाना उचित नहीं हो सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रशासन को गणेश उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक जगहों पर परेशानी रोकने की चिंता समझ में आती है।

फास्ट न्यूज

चांदी आज 3,742 गिरकर 2.30 लाख/केजी पर आई

नई दिल्ली । सोने-चांदी के दाम में आज यानी 11 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक एक किलो चांदी की कीमत 3,742 रुपए कम होकर करीब 2.30 लाख रुपए पर आ गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 269 रुपए घटकर 1.53 लाख रुपए पर आ गए हैं।

दक्षिण कोरियाई मरीन के डूबने से जुड़े मामले में पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल बरी

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को एक मरीन की डूबने से हुई मौत से जुड़े मामले में शुक्रवार को बरी कर दिया गया। मार्शल लॉ लगाने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था और उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए थे। यह मामला उनमें से एक था, जिसमें उन्हें राहत मिली है। आरोपपत्र में कहा गया था कि यून ने जानबूझकर पूर्व रक्षा मंत्री ली जोंग-सप को ऑस्ट्रेलिया में अपना राजदूत नियुक्त किया था, ताकि वे देश छोड़कर जा सकें और कार्पोरल चे सु-गुन की मौत की आपराधिक जांच से बच सकें।

म्यांमार में इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 6 'सुसाइड ड्रोन' से हमला

नेप्यीडॉ। म्यांमार के दूसरे सबसे व्यस्त मंडाले इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दो दिनों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया है। सुरक्षा सूत्रों ने एएफपी को इसकी पुष्टि की है। यह फैसला एयरपोर्ट पर हुए उस ड्रोन हमले के ठीक एक दिन बाद आया है, जिसमें सैन्य समर्थित सरकार ने लोकतंत्र समर्थक विद्रोहियों पर 'सुसाइड ड्रोन' से हमला करने का आरोप लगाया था।

कोट उतारा और उठा लिया 100 किलो वजन

आर्मी जवानों के सामने 20 बार बेंच प्रेस मंगोलिया के राष्ट्रपति का वीडियो वायरल

उलानबाटर, एजेंसी

मंगोलिया के राष्ट्रपति उखनागीन खुरेलसुख का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक मिलिट्री यूनिट के दौरे के दौरान 100 किलो का बेंच प्रेस करते हुए दिख रहे हैं।

मंगोलिया के राष्ट्रपति खुद आर्मी ऑफिसर रह चुके हैं। उन्होंने सैनिकों के सामने 20 बार 100 किलो वजन उठाया। राजनीति में आने से पहले उन्होंने मंगोलियन पीपल्स आर्मी में सेवा की थी।

मंगोलिया के राष्ट्रपति 58 साल के हैं और वे इस उम्र में भी काफी फिट दिख रहे हैं। राष्ट्रपति के मिलिट्री यूनिट के दौरे पर गए थे, तब उन्होंने सैनिकों के सामने 100 किलो वजन उठाकर दिखाया।

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि मंगोलिया के राष्ट्रपति अपना कोट उतारते हैं और बेंच पर वेट लिफ्ट करने के लिए लेट जाते हैं। अधिकारी और सैनिक राष्ट्रपति की फिटनेस देखकर खुश नजर आते हैं।

वीडियो में राष्ट्रपति को आसानी से वजन उठाते हुए देखा जा सकता है। 2021 से राष्ट्रपति पद पर काबिज उखनागीन खुरेलसुख ने वजन उठाने के बाद अपने आस-पास मौजूद लोगों से हाथ मिलाया और फिर अपनी जैकेट वापस पहन ली। राष्ट्रपति का बैकग्राउंड बॉडीबिल्डिंग और मार्शल आर्ट्स का रहा है और राजनीति में आने से पहले उन्होंने मंगोलियन पीपल्स आर्मी में सेवा की थी। वे 'पल्स' (Pals) नाम के रॉक बैंड में गिटार भी बजाते हैं और मंगोलिया में हार्ले-डेविडसन फैन क्लब के संस्थापक भी हैं।

मुकेश चौधरी ने जानबूझकर झूठी अमेरिकी नागरिकता का दावा किया

अमेरिकी चुनाव में फर्जी नागरिकता दिखाकर भारतीय ने डाला वोट

मुकेश कुमार सोमाभाई चौधरी पर पांच नवंबर 2024 को हुए आम चुनाव में वोट डालने के लिए जानबूझकर अमेरिकी नागरिकता का झूठा दावा करने का आरोप लगाया गया है।

■ मिनेसोटा की फेडरल ग्रैंड जूरी ने दो आरोपों वाला पत्र जारी किया

न्यूयार्क, एजेंसी

अमेरिकी चुनाव में वोट डालने के लिए वहां का नागरिक होने का झूठा दावा करने के आरोप में एक भारतीय नागरिक पर केस दर्ज किया गया है।

न्याय विभाग के नागरिक अधिकार विभाग की असिस्टेंट अटार्नी जनरल हरमीत के. ढिल्लों ने कहा, वोट देने का अधिकार अमेरिकी नागरिकता का एक विशेषाधिकार है। विभाग उन लोगों को जवाबदेह ठहराएगा जो वोट डालने के लिए जानबूझकर नागरिकता का झूठा दावा करते हैं।'

मिनेसोटा की फेडरल ग्रैंड जूरी ने लगाया आरोप

अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया कि मिनेसोटा की एक फेडरल ग्रैंड जूरी ने गुरुवार को दो आरोपों वाला यह आरोप-पत्र जारी किया। इसके अनुसार, चौधरी ने आम चुनाव में वोट डालने के लिए मिनेसोटा के कानून के तहत जरूरी वोटर सिग्नेचर सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर किए।

इसके लिए उन्हें शपथ लेनी थी या पुष्टि करनी थी कि वे अमेरिका के नागरिक हैं। चौधरी अमेरिकी नागरिक नहीं थे और उन्होंने वोट डालने के लिए जानबूझकर नागरिकता के बारे में झूठा बयान दिया।

यह बाब अल-मंदेब से सिर्फ 75 केएम दूर ■ पाकिस्तान ने ईरान को चेतावनी दी

हूती विद्रोहियों ने यमन के मोखा शहर पर कब्जा किया

सना, एजेंसी

■ मोखा शहर पर कब्जे के बाद हूती लड़ाके ताइज शहर की ओर बढ़ रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के रणनीतिक बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा कर लिया है। यह शहर बाब अल-मंदेब स्ट्रेट से करीब 75 किलोमीटर दूर है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार रास्ते में से एक है। मोखा पर पहले यमनी नेशनल रेजिस्टेंस फोर्स का कंट्रोल था। यह हूतियों के खिलाफ लड़ने वाला सऊदी समर्थित गुट है। दोनों के बीच पिछले 9 दिनों से लड़ाई चल रही थी। मोखा पर कब्जे के बाद पिछले 4 साल में यह हूतियों की सबसे बड़ी क्षेत्रीय कामयाबी मानी जा रही है। अब हूती लड़ाके यमन के अहम शहर ताइज की ओर बढ़ रहे हैं। इस बीच सऊदी अरब ने पाकिस्तान के जरिए ईरान को संदेश भेजकर हूतियों को सऊदी अरब पर हमले रोकने के लिए कहने को कहा है।

बाब अल-मंदेब के करीब पहुंचे हूती, जहाजों पर बढ़ा खतरा

मोखा पर कब्जे के बाद हूती बाब अल-मंदेब के और करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने लाल सागर में मौजूद हनीश द्वीपों की ओर भी बढ़त बनाई है। धुबाब और उसके सामने मौजूद ये द्वीप बाब अल-मंदेब के बहुत करीब हैं।

रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हूती इस इलाके में अपनी पकड़ और मजबूत करते हैं, तो लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों पर नजर रखना और उन पर दबाव बनाना उनके लिए आसान हो सकता है।

■ खालिद बिन वालिद सैन्य कैंप में सऊदी समर्थित बलों का हूतियों के सामने सामूहिक सरेंडर करते हुए। (वीडियो-सोशल मीडिया)

मोखा पर कब्जे से हूतियों की पकड़ मजबूत

पिछले करीब 10 दिनों से हूती लड़ाके ताइज की पश्चिमी दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे थे। उन्होंने रास्ते में पड़ने वाले अल-शकीरा इलाके पर भी कब्जा कर लिया।

यह इलाका ताइज शहर को पश्चिमी तट से जोड़ने वाले अहम रास्ते पर है। इस पर कब्जे से इस इलाके में हूतियों की पकड़ और मजबूत हो गई। हूती पहले से ही यमन की राजधानी सना और लाल सागर के बड़े बंदरगाह होदेइदा पर नियंत्रण रखते हैं। अब मोखा पर कब्जे के बाद पश्चिमी तट पर भी उनकी स्थिति मजबूत हो गई है। यही वजह है कि मोखा की लड़ाई को सिर्फ एक बंदरगाह शहर पर कब्जे के तौर पर नहीं देखा जा रहा। इससे यमन के पश्चिमी तट पर हूतियों की सैन्य और रणनीतिक स्थिति और मजबूत हो सकती है।

हूतियों से बचने के लिए गुहार लगाते रहे सऊदी प्रिंस

ट्रंप ने नहीं उठाया फोन लड़ाकू विमान भेजने से इनकार

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और पश्चिम एशिया की राजनीति से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के फोन कॉल को दो बार अस्वीकार कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार सऊदी प्रिंस चाहते थे कि अमेरिका हूती विद्रोहियों के खिलाफ सीधे हवाई हमले करे, लेकिन ट्रंप ने फिलहाल ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। बता दें कि यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने रणनीतिक रूप से बेहद अहम लाल सागर के बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही वे हनिश द्वीपों की तरफ आगे बढ़ रहे हैं, जिससे दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक 'बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य' पर एक बड़ा खतरा मंडराने लगा है।

वहीं मोखा शहर उस जलडमरू-मध्य से केवल 80 किलोमीटर की दूरी पर है, जिससे होकर दुनिया भर का लगभग 12 प्रतिशत व्यापार और सामान गुजरता है। हूती लड़ाकों के आगे बढ़ने से सऊदी समर्थित यमन सरकार की फौज पीछे हटने को मजबूर हो गई है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि यमन के मोखा शहर में जब हूती सेना तेजी से आगे बढ़ रही थी और सऊदी समर्थित यमन की सेना पीछे हट रही थी, तब हालात की गंभीरता को देखते हुए क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन किया।

प्रशंसा : जीडीपी ग्रोथ अनुमान से बेहतर 7.8% रही, ऊर्जा संकट के बावजूद मजबूत रही भारतीय अर्थव्यवस्था

दुनिया का ग्रोथ इंजन है भारत : आईएमएफ

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ की है। साथ ही भारत को दुनिया का ग्रोथ इंजन भी बताया है। भारत की अर्थव्यवस्था ने ऊर्जा संकट और वैश्विक चुनौतियों के बीच भी अपनी तेज रफ्तार बरकरार रखी है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में देश की रियल जीडीपी ग्रोथ 7.8% दर्ज की गई है। IMF ने भारत के इस बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत सर्विसेज सेक्टर और बेहतर एक्सपोर्ट के दम पर यह ग्रोथ उम्मीद से काफी बेहतर रही है।

आईएमएफ ने भारत के जीडीपी आकलन की व्यवस्था में किए गए बदलावों और इसके आधुनिकीकरण का स्वागत किया है। जूली कोजाक ने बताया कि नवीनतम डेटा में नया इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (IIP) और प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (PPI) सीरीज शामिल की गई है। आईएमएफ के अनुसार, इन नए बदलावों से जीडीपी आंकड़ों की सटीकता और डेटा की क्वालिटी में और सुधार होगा। इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (IIP): यह इंडेक्स देश के मैन्युफैक्चरिंग, माइनिंग और बिजली जैसे मुख्य क्षेत्रों में उत्पादन की रफ्तार को मापता है। प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (PPI): यह इंडेक्स घरेलू उत्पादकों द्वारा बेचे जाने वाले सामान और सेवाओं की कीमतों में होने वाले औसत बदलाव को दर्शाता है, जिससे थोक स्तर पर महंगाई का सटीक आकलन होता है।

आईएमएफ ने की भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ

आईएमएफ की प्रवक्ता जूली कोजाक ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की 7.8% की जीडीपी ग्रोथ उनके अनुमान और मार्केट एक्सपर्ट्स की उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि सर्विसेज और एक्सपोर्ट में बेहतर प्रदर्शन ने इस ग्रोथ को रफ्तार दी है। जूली कोजाक के मुताबिक, यह प्रदर्शन दिखाता है कि एनर्जी प्राइस शॉक के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह मजबूत है और भारत दुनिया के लिए एक प्रमुख ग्रोथ इंजन बना हुआ है।

आरबीआई के अनुमान से ज्यादा रही विकास दर

पहली तिमाही का यह 7.8% का आंकड़ा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) के 7% के पिछले अनुमान से भी ज्यादा रहा है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के आंकड़ों के अनुसार, इस तिमाही में देश की रियल जीडीपी 81.36 लाख करोड़ रुपए रही, जो पिछले वित्त वर्ष (FY26) की इसी अवधि में 75.46 लाख करोड़ रुपए थी।

हूतियों ने मिसाइल और घातक रॉकेट बनाने के लिए किया 'क्लाउड एआई' का इस्तेमाल

सन्ना, एजेंसी

AI कंपनी एंथ्रोपिक ने यमन में मौजूद हथियारों की इंजीनियरिंग करने वाले एक ग्रुप की पहचान की है, जो कि मिसाइलों और गाइडेड रॉकेट के लिए गाइडेंस सॉफ्टवेयर बनाने के लिए उसके 'क्लाउड' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल का इस्तेमाल कर रहा है।

एंथ्रोपिक ने गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि उसने चीन, रूस और यमन में ऐसे छह ऑपरेशन रोके हैं, जिनमें लोगों ने पारंपरिक हथियार बनाने, खुफिया जानकारी इकट्ठा करने या हथियारों की खरीद के लिए 'क्लाउड' का इस्तेमाल किया था। एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में शामिल ग्रुप हूती कई मिसाइल प्रोग्राम पर काम कर रहा था, जिसमें 2,000 किलोमीटर से ज्यादा रेंज वाली मल्टी-स्टेज बैलिस्टिक मिसाइल और R2000 सेट नाम का मिसाइल सिस्टम शामिल था। इस सिस्टम में हाइपर-सोनिक ग्लाइड व्हीकल का एक वैरिएंट भी था। एंथ्रोपिक को यह भी पता चला कि इन लोगों ने उड़ने वाले वाहनों के लिए गाइडेंस, नेविगेशन और कंट्रोल सॉफ्टवेयर बनाने के लिए इंसानी सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की जगह 'क्लाउड कोड' का इस्तेमाल किया। हालांकि कंपनी को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि ग्रुप ने कोई ऑपरेशनल हथियार सफलतापूर्वक तैयार किया हो, लेकिन उसने कहा कि इन लोगों ने एक गाइडेड रॉकेट का टेस्ट लॉन्च किया था, जो फेल हो गया। एंथ्रोपिक के मुताबिक, यमन के ग्रुप ने एक ओपन-सोर्स ऑटोपायलट को फोन-क्लास फ्लाइट कंप्यूटर के साथ जोड़ने और उड़ने वाले वाहन को कंट्रोल और स्टेबल करने के लिए जरूरी सॉफ्टवेयर बनाने के लिए 'क्लाउड' का इस्तेमाल किया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676